हिन्दी व्याकरण

कक्षा 3

हिन्दी व्याकरण

विषय सूची

कक्षा –तीसरी

....

पाठ का नाम		पृष्ठ संख्या
1.	भाषा और व्याकरण	02
2.	वर्ण विचार	09
3.	मात्राएँ, शब्द और वाक्य	14
4.	संज्ञा —-> दिन, महीने, त्यौहार	21
5.	सर्वनाम	27
6.	विशेषण	33
7.	लिंग	40
8.	वचन —> गिनती	45
9.	क्रिया और काल	51
10.	अशुद्धि शोधन	58
11.	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	63
12.	विलोम शब्द	67
13.	पर्यायवाची शब्द	71
14.	मुहावरे	75
15.	विराम चिह्न	79
16.	पत्र लेखन	82
17.	अनुच्छेद लेखन	85
18.	कहानी लेखन	88
19.	संवाद लेखन	92
20.	अपठित गद्यांश	95
21.	चित्र वर्णन	98

पाठ-1

भाषा और व्याकरण

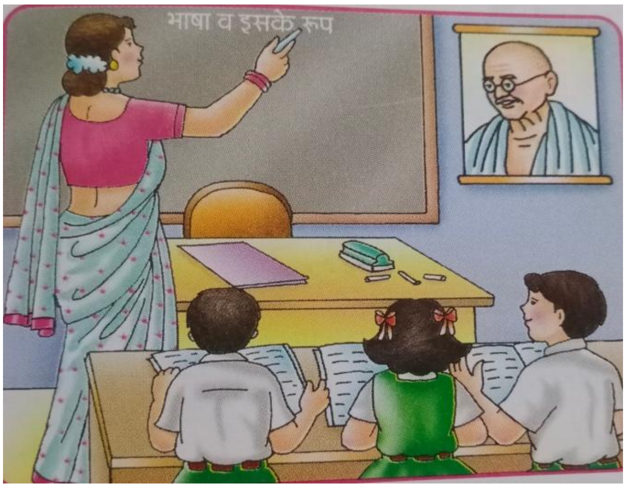

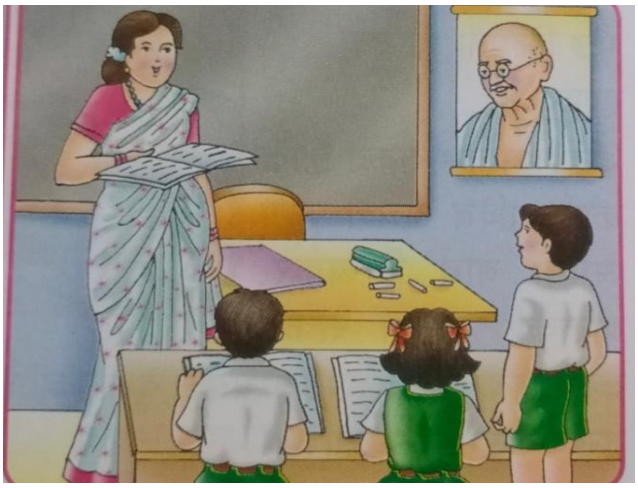

पहले चित्र में अध्यापिका श्यामपट्ट पर लिखकर बता रही है कि 2 अक्टूबर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती है।

दूसरे चित्र में श्याम पूछ रहा है कि राष्ट्रपिता कौन होता है? बताइए –

अध्यापिका 2 अक्टूबर के विषय में कैसे बता रही है? - लिखकर

बच्चे कैसे समझ रहे हैं? - पढ़कर

श्याम ने प्रश्न कैसे पूछा? - बोलकर

इस तरह हम लोग अपनी बात दो तरह से कहते हैं -

1) बोलकर या मौखिक
2) लिखकर या लिखित

परिभाषा -- वह माध्यम जिसके द्वारा हम अपने विचार दूसरों तक पहुँचाते हैं। अथवा दूसरों के विचार जानते हैं, भाषा कहलाता है।

भाषा के रूप

भाषा के दो रूप है -

1) मौखिक भाषा 2) लिखित भाषा

मौखिक भाषा

मौखिक भाषा- जब हम बोलकर अपनी बात दूसरों तक पहुँचाते हैं तथा दूसरों की बात सुनकर समझते हैं तो वह मौखिक भाषा कहलाती है, जैसे- भाषण बोलना या सुनना आदि।

पहले चित्र में नेताजी बोलकर अपनी बात कह रहे हैं। दूसरे चित्र में दो मित्र आपस में बात कर रहे हैं। बात करना या बोलना मौखिक भाषा है।

लिखित भाषा

लिखित भाषा- जब हम लिखकर अपनी बात दूसरों तक पहुँचाते हैं और दूसरों की बात पढ़ कर समझते हैं तो ऐसी भाषा लिखित भाषा होती है, जैसे- पत्र लिखना, पुस्तकों एवं पत्र पत्रिकाओं में लिखे लेख पढ़ना आदि।

पहले चित्र में सड़क के किनारे तख्ती पर लिखा है 'आगे स्कूल है। वाहन धीरे चलाएँ।' दूसरे चित्र में लड़का अपने मित्र को पत्र लिख रहा है। लिखकर अपनी बात दूसरों तक पहुँचाना भाषा का लिखित रूप कहलाता है।

स्मरण रखें -भारत में हिंदी भाषा के विकास तथा उसके महत्व को जनसाधारण में प्रचलित करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' मनाया जाता है।

सांकेतिक भाषा

भाषा का एक रूप सांकेतिक भी है, जिसमें हम इशारे से अपनी बात बताते हैं, परंतु यह रूप मान्य नहीं है। जैसे –

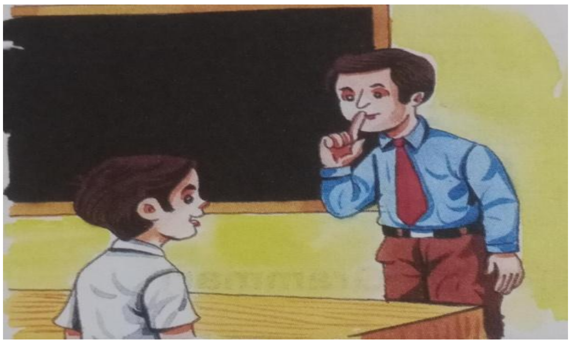

पहले चित्र में यातायात पुलिस हाथ के इशारे से अपनी बात कह रहा है। दूसरे चित्र में शिक्षक होंठ पर उँगली रखकर छात्र को चुप रहने का संकेत कर रहे हैं। यह सांकेतिक भाषा है।

विभिन्न भाषाएँ -

संसार में अनेक भाषाएँ बोली और लिखी जाती हैं, जैसे- हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, बांग्ला, गुजराती, पंजाबी, उर्दू, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, फ्रेंच, चीनी, जर्मन इत्यादि। हमारे देश भारतवर्ष में भी विभिन्न भाषाएँ बोली जाती हैं।

कुछ भाषाओं तथा उनसे संबंधित राज्यों के नाम नीचे तालिका में दिए गए हैं –

राज्य	भाषा	राज्य	भाषा
गुजरात	गुजराती	बंगाल	बांग्ला
असम	असमिया	कर्नाटक	कन्नड़
महाराष्ट्र	मराठी	ओडिशा	उड़िया
उत्तर प्रदेश	हिंदी	तमिलनाडु	तमिल
पंजाब	पंजाबी	केरल	मलयालम

लिपि – भाषा को लिखने के लिए जिन चिन्हो का प्रयोग किया जाता है, उसे लिपि कहते हैं। जिस प्रकार प्रत्येक राज्य की अलग-अलग भाषा होती है, उसी प्रकार अलग-अलग भाषा की अलग-अलग लिपि होती है। जैसे –

भाषा	**लिपि**
हिंदी, संस्कृत, गुजराती, मराठी, नेपाली,	**देवनागरी**
अंग्रेजी	**रोमन**
उर्दू	**फारसी**
पंजाबी	**गुरुमुखी**
बांग्ला	**बांग्ला**

व्याकरण

प्रत्येक भाषा के बोलने और लिखने के कुछ नियम होते हैं। यदि इन नियमों का पालन न किया जाए, तो भाषा अर्थपूर्ण तथा शुद्ध नहीं होती है। व्याकरण द्वारा हमें भाषा का शुद्ध ज्ञान प्राप्त होता है। व्याकरण की सहायता से हम लोग

- शुद्ध बोलना सीखते हैं।
- शुद्ध लिखना सीखते हैं।
- भाषा को अच्छी तरह समझना सीखते हैं।

परिभाषा- वह शास्त्र, जिसके द्वारा भाषा के शुद्ध लिखने, पढ़ने और बोलने का ज्ञान होता है, व्याकरण कहलाता है।

व्याकरण के अनुसार अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कर सकते हैं, जैसे-

अशुद्ध वाक्य	**शुद्ध वाक्य**
• मीरा खाना खाते हैं ।	• मीरा खाना खाती है।
• माताजी बना रही है खाना।	• माताजी खाना बना रही हैं।
• सूरज तू कल क्या करेगी ?	• सूरज कल तुम क्या करोगे ?

यह भी जानिए -

- **हमारे देश की राजभाषा हिंदी है ।**
- **14 सितंबर हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है ।**
- **14 दिसंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा घोषित किया ।**
- **भारत वर्ष में 22 भाषाओं को संवैधानिक मान्यता प्रदान की गई है ।**

हमने सीखा

- **बोलकर या लिखकर अपनी बात कहना ही भाषा है ।**
- **भाषा के दो रूप है - मौखिक और लिखित ।**
- **संसार में विभिन्न प्रकार की भाषाएँ बोली जाती है ।**
- **भाषा लिखने के लिए निर्धारित चिन्ह लिपि कहलाते हैं ।**
- **व्याकरण हमें भाषा का सही प्रयोग करना सिखाता है ।**

अभ्यास कार्य

प्रश्न :1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

- भाषा किसे कहते हैं ?
- भाषा कितने प्रकार की होती है ?
- लिपि किसे कहते हैं ?
- व्याकरण किसे कहते हैं ?
- लिखित भाषा और मौखिक भाषा में क्या अंतर है ?

प्रश्न :2) सही या गलत के निशान लगाइए -

- भाषा लिखने का साधन है । (   )
- व्याकरण भाषा का शुद्ध रूप बताता है । (   )
- पत्रिका में मौखिक भाषा का प्रयोग होता है ।(   )
- पूरे भारत में एक ही भाषा बोली जाती है । (   )
- हिंदी दिवस 14 सितंबर को होता है । (   )

प्रश्न :3) दिए गए राज्यों को उनकी भाषा से मिलाइए –

• गुजरात	तमिल
• महाराष्ट्र	पंजाबी
• बंगाल	कन्नड़
• तमिलनाडु	मराठी
• पंजाबी	बंगला
• कर्नाटक	गुजराती

प्रश्न :4) उचित विकल्प पर निशान ☑ लगाइए -

- भाषा के रूप है -

  (i) तीन (ii) दो (iii) चार

- भाषा है -

  (i) बोलना (ii) लिखना (iii) सभी

- भारत की राष्ट्रभाषा है -

  (i) हिंदी (ii) अंग्रेजी (iii) फ्रेंच

- भाषा को लिखने का ढंग कहलाता है -

  (i) व्याकरण (ii) लिपि (iii) बोली

प्रश्न -5) दिए गए अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए -

अशुद्ध रूप	**शुद्ध रूप**
(क) बाजार आलोक जा रहा है।	……..............….
(ख) राम पीता है पानी।	………..............
(ग) है अनुज खाता खाना।	……........…….
(घ) प्लेटफॉर्म पर है गाड़ी।	……........…….
(ङ) नहा सचिन रहा है।	……........…….

प्रश्न -6) उचित शब्दों से खाली स्थान भरिए -

(14 सितंबर, लिखित, लिखकर बोलकर, देवनागरी, मौखिक)

(क) हम…………................….अपने विचार दूसरों तक पहुँचाते हैं।

(ख) बोलकर भावों को व्यक्त करना भाषा का……......…………..रूप होता है।

(ग) हर वर्ष……….............……. को हिंदी दिवस मनाया जाता है।

(घ) भाषा को लिखने का ढंग ……............………. रूप कहलाता है।

(ङ) मराठी भाषा की लिपि …...............…………… है।

प्रश्न :7) **चित्र देखकर उसकी भाषा का रूप लिखें -**

……………........... ....

आओ कुछ करें

- **अपने मित्रों से पूछिए कि वह कौन-कौन सी भाषाएँ जानते हैं ?**
- **पता लगाइए कि हमारे देश में कुल कितनी भाषाएँ हैं ?**
- **अन्य प्रदेशों एवं उनकी भाषाओं के नाम का भी पता लगाए ?**
- **यह भी पता लगाए कि हिंदी दिवस कब मनाया जाता है ?**

पाठ - 2
वर्ण विचार

हमारे द्वारा बोले गए शब्द अनेक ध्वनियों से मिलकर बनते हैं । इन ध्वनियों को लिखने के लिए कुछ चिन्ह निश्चित किए गए हैं । ध्वनियों के इन लिखित चिन्हो को ही 'वर्ण' कहते हैं ।

निम्नलिखित चित्रों के नीचे लिखे शब्दों में प्रयुक्त ध्वनियों को ध्यानपूर्वक पढ़कर समझिए –

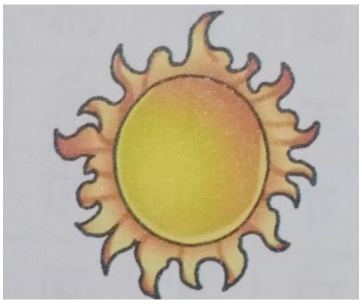

सूरज

स् + ऊ + र् + अ + ज् + अ

मोर

म् + ओ + र् + अ

आपने देखा 'सूरज' शब्द में छःध्वनियाँ है, तथा 'मोर' शब्द में चार ध्वनियाँ हैं । ध्वनियों के लिखित रूप ही 'वर्ण' कहलाते हैं। वर्ण भाषा की सबसे छोटी इकाई है । इसके और टुकड़े नहीं किए जा सकते ।

परिभाषा – भाषा की सबसे छोटी इकाई 'वर्ण' कहलाती है, जिसके और छोटे टुकड़े नहीं किया जा सकते ।

वर्ण के भेद

वर्ण के दो भेद होते हैं -

(1) स्वर (2) व्यंजन

स्वर – जिन वर्णों का उच्चारण किसी अन्य वर्ण की सहायता के बिना होता है, उन्हें स्वर कहते हैं । हिंदी वर्णमाला में इनकी संख्या (11) होती है । **अयोगवाह – अं और अः**

व्यंजन – जिन वर्णों के उच्चारण में स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं। हिंदी वर्णमाला में इनकी संख्या (33) है |

अतिरिक्त व्यंजन - ड़ और ढ़

वर्णमाला - सभी वर्णों के व्यवस्थित समूह को वर्णमाला कहते हैं। हिंदी वर्णमाला में(52) वर्ण है।

संयुक्त व्यंजन- दो व्यंजनों के मेल से संयुक्त व्यंजन बनते हैं। हिंदी में चार (4) संयुक्त व्यंजन है। जो इस प्रकार है -

1) कक्षा - क्ष = क् + ष   **2) पत्र - त्र = त् + र**

3) श्रमिक - श्र = श् + र   **4) अज्ञात - ज्ञ = ज् + ञ**

अनुस्वार – जो ध्वनियाँ नाक की सहायता से बोली जाती है, उन्हें ‘अनुस्वार’ कहते हैं। इसे वर्ण के ऊपर बिंदु के रूप (•) में लगाया जाता है। जैसे - रंग, संगीत, तिरंगा, पलंग आदि।

अनुनासिक - ‘अनुनासिक’ ध्वनि नाक और मुख की सहायता से बोली जाती है। इसे वर्ण के ऊपर चंद्र बिंदु (ँ)के रूप में लगाते हैं। जैसे – कुआँ ,साँप ,आँख ,माँ आदि ।

विसर्ग – इसका उच्चारण ‘अह’ की तरह करते हैं इसे अ: (:) से व्यक्त करते हैं।

मात्राएँ - जब कोई स्वर किसी व्यंजन के साथ जुड़ता है तो स्वर के स्थान पर उसके चिन्ह का प्रयोग करते हैं, ये चिन्ह ‘मात्राएँ’ कहलाते हैं। यह मात्राएँ इस प्रकार हैं–

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ
-	ा	ि	ी	ु	ू
ऋ	ए	ऐ	ओ	औ	अं
ृ	े	ै	ो	ौ	ं

हमनेसीखा

- वह छोटी से छोटी ध्वनि जिसके और टुकड़े नहीं किए जा सकते, वर्ण कहलाती है।
- वर्ण दो प्रकार के होते हैं - 1) स्वर 2) व्यंजन
- व्यंजन स्वरों की सहायता से बोले जाते हैं।
- स्वर के निश्चित चिन्ह मात्रा कहलाते हैं।
- मात्राओं के लगाने के तरीके अलग-अलग होते हैं।
- संयुक्त व्यंजन दो व्यंजनों को जोड़कर बनते हैं।

अभ्यास कार्य

प्रश्न-1) प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

1) वर्ण की परिभाषा लिखिए ।
2) वर्ण के कितने भेद होते हैं ?
3) स्वर और व्यंजन संख्या में कितने हैं ?
4) वर्णमाला किसे कहते हैं ?

प्रश्न-2) सही संख्या पर गोल घेरा बनाइये -

1) वर्णमाला में वर्ण है – 32 / 42 / 52

2) हिंदी में स्वर है - 12 / 11 / 13

3) हिंदी में व्यंजन है - 33 / 34 / 35

4) संयुक्त व्यंजन है - 2 / 3 / 4

प्रश्न-3) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1) वर्णों के क्रमबद्ध समूह को............ कहते हैं। (वर्णमाला / संयुक्तव्यंजन)

2) वर्णों के... .... भेद होते हैं। (दो / चार)

3) मात्राएँ... ....की लगती है। (स्वरों / व्यंजनों)

4) स्वरों की................ मात्राएँ होती है। (दस / ग्यारह)

प्रश्न-4) सही विकल्प चुनिए -

1) भाषा की सबसे छोटी इकाई को कहते हैं -

(1) वर्ण (2) शब्द (3) व्यंजन

2) .... बिना किसी वर्ण की सहायता के बोले जाते हैं -

(1) वर्ण (2) स्वर (3) व्यंजन

3) दो व्यंजनों से मिलकर बने वर्ण को................व्यंजन कहते हैं -

(1) व्यंजन (2) संयुक्त (3) भाषा

4) संयुक्त व्यंजन है -

(1) चार (2) छः (3) पाँच

प्रश्न -5) सही कथन पर (√) का और गलत कथन पर (X) का चिह्न लगाइए -

(क) व्यंजनों की संख्या 11 होती है। ( )

(ख) वर्ण दो प्रकार के होते हैं। ( )

(ग) अयोगवाह की संख्या 4 होती है। ( )

(घ) 'आ' वर्ण की कोई मात्रा नहीं होती। ( )

प्रश्न -6) निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार (•) या अनुनासिक (ँ) लगाकर लिखिए।

अगूर, चाद, कठ, मदिर, पद्रह, पाच, गगा, मच, चचल, आख, कगन, जाच, साप, कुआ, पख, पप, चदन, कघा

अनुस्वार - ....

अनुनासिक - ....

प्रश्न -7)दिए गए वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए -

1) स् + अ + ड् + अ + क् + अ =........................
2) क् + इ + न् + आ + र् + आ =........................
3) भ्+ ओ+ ज् + अ + न् +अ =........................
4) ख् + इ + ल् + औ+ न् +आ =........................

आओकुछकरें -

प्रश्न- 8) चित्रों को देखो और शब्द लिखो -

क्ष................

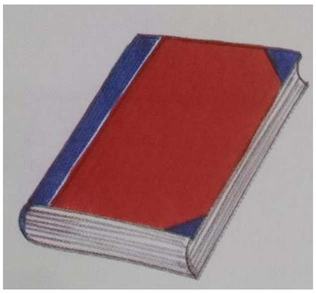

कि..............

प................

च..............

प्रश्न- 9) संयुक्त व्यंजनों से दो –दो शब्द बनाकर लिखिए -

1) क्ष -............ ....
2) श्र -.............. ....
3) ज्ञ -............. ....
4) त्र -............. ....

प्रश्न -10) कुछ ऐसे शब्द खोजिए जिन्हें उल्टा, सीधा कैसे भी लिखने पर एक ही शब्द बनता है । जैसे - 'सरस'।

पाठ -3

मात्राएँ, शब्द और वाक्य

....

जब व्यंजन के साथ स्वर को मिलाकर लिखना होता है, तो स्वर न लिखकर उसके स्थान पर उनके विशेष चिह्न लगाए जाते हैं । किसी स्वर के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले चिह्न को उस स्वर की 'मात्रा' कहते हैं।

नीचे दिए गए चित्रों के नामों में प्रयोग की गई स्वरों की रंगीन मात्राओं को देखकर समझें-

केला

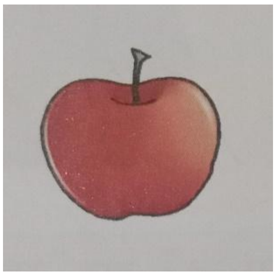

सेब

किसान

चूहा

इस प्रकार, व्यंजन के साथ मिलने से स्वरों के रूप में परिवर्तन हो जाता है । स्वर का बदला हुआ यह रूप ही 'मात्रा' कहलाता है।

स्वरों के निर्धारित चिन्हो को मात्रा कहा जाता है ।

स्वरों की मात्राएँ

- **'अ' स्वर की कोई मात्रा नहीं होती ।**
- **सभी मात्राओं को लगाने का तरीका अलग-अलग है। कुछ मात्राएँ व्यंजन के ऊपर लगती हैं, कुछ नीचे ।**
- **'र' के साथ 'उ' या 'ऊ' की मात्रा का प्रयोग निम्नानुसार होता है -**

  र् + उ = रु – रुक

  र् + ऊ = रू – रूप
- **'ऋ' की मात्रा व्यंजन के नीचे लगती है।**

  क् + ऋ = कृ (कृपा)

स्वरों की मात्राएँ एवं उनका प्रयोग

स्वर	मात्रा	मात्राओं के साथ मेल	शब्द निर्माण
अ	–	क् + अ = क	कल, कर
आ	ा	क + ा = का	काम, काल
इ	ि	क + ि = कि	किला, किया
ई	ी	क + ी = की	कील, कीमत
उ	ु	क + ु = कु	कुल, कुशल
ऊ	ू	क + ू = कू	कूप, कूरूप
ऋ	ृ	क + ृ = कृ	कृषक, कृपा
ए	े	क + े = के	केला, केशव
ऐ	ै	क + ै = कै	कैलाश, कैसा
ओ	ो	क + ो = को	कोयल, कोमल
औ	ौ	क + ौ = कौ	कौआ, कौन
अं	ं	क + ं = कं	कंघा, कंगाल
अः	ः	क + ः = कः	बालकः, शुकः

शब्द

ध्वनियों या वर्णों के मेल से शब्द का निर्माण होता है ।

अब इन्हें पढ़कर देखिए -

- ता + ब + कि = ताबकि
- खि + की + ड़ = खिकीड़

इस तरह पढ़ने से हम इन शब्दों के अर्थ नहीं समझ पा रहे क्योंकि ये निरर्थक शब्द हैं । हम कह सकते हैं कि केवल वर्णों को मिलाने से शब्द नहीं बनते बल्कि उनको सही स्थान पर लिखने से सार्थक शब्द बनते हैं। वर्णों को उनके सही क्रम में लिखना आवश्यक है।

शब्द इस तरह बनेंगे -

कि + ता + ब = किताब

खि + ड़ + की = खिड़की

किताब और खिड़की किसी –न –किसी वस्तु का बोध करा रहे हैं अतः ये शब्द कहलाएँगे I वर्णों के सार्थक मेल से शब्द बनते हैं।

परिभाषा – दो या दो से अधिक वर्णों के मेल से बने सार्थक वर्ण -समूह को 'शब्द' कहते है I

शब्द के भेद

मुख्य रूप से शब्द के दो भेद होते हैं -

1) सार्थक शब्द 2) निरर्थक शब्द

1) **सार्थक शब्द-** वर्णों को मिलाकर बने ऐसे शब्द, जिनका कोई अर्थ अवश्य हो, सार्थक शब्द कहलाते हैं I जैसे -लोटा, दिल्ली, लखनऊ, रोटी, चावल आदि I

2) **निरर्थकशब्द** –वर्णों को मिलाकर बने निरर्थक शब्द जिनका कोई अर्थ नहीं होता, निरर्थक शब्द कहलाते हैं I जैसे - वोटा, विल्ली, वखनऊ, वोटी,वावल आदि I

वाक्य

जैसे वर्णों के सही मेल से शब्द बनते हैं। वैसे ही शब्दों के सही मेल से वाक्य बनते हैं -

जैसे- **जाता राहुल खेलने है।**

इन शब्दों का मेल कोई भी अर्थ नहीं बताता I इन शब्दों को इनकी जगह बदलकर लिखिए-

राहुल खेलने जाता है।

अब ये शब्द अपनी सही जगह पर हैं इसलिए इनका उचित अर्थ है I अब इन्हें हम वाक्य कह सकते हैं।

अपनी बात दूसरों तक पहुँचाने के लिए हम सार्थक वाक्यों का प्रयोग करते हैं।

लड़कियाँ पुस्तक पढ़ रही हैं।

लड़कियाँ + पुस्तक + पढ़ + रही + हैं।

(पाँच शब्दों का समूह)

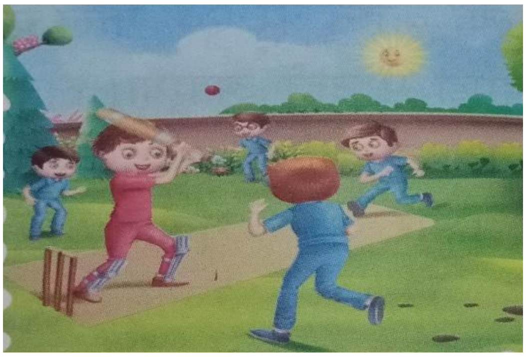

हम गेंद से खेल रहे हैं।

हम + गेंद + से + खेल + रहे + हैं।

(छः शब्दों का समूह)

परिभाषा- शब्दों का वह समूह जिसका कोई अर्थ निकलता हो 'वाक्य' कहलाता है ।

वाक्य के भेद

वाक्य के दो भेद होते हैं -

1) उद्देश्य 2) विधेय

1) **उद्देश्य-** जिसके विषय में कुछ कहा जाए, उसे उद्देश्य कहते हैं । जैसे – भालू नाच रहा है । लड़का दौड़ रहा है ।

2) **विधेय** - उद्देश्य के बारे में जो कहा जाए, वह विधेय कहलाता है।| उपर्युक्त वाक्य में 'नाच रहा है' तथा 'दौड़ रहा है' विधेय कहलाएँगे ।

हमनेसीखा

- व्यंजनों के साथ स्वरों का प्रयोग मात्रा के रूप में ही किया जाता है ।
- 'अ' स्वर की कोई मात्रा नहीं होती ।
- दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं ।
- शब्द के दो प्रकार होते हैं- सार्थक और निरर्थक ।
- शब्दों के सार्थक मेल से वाक्य बनते हैं।
- वाक्य के दो अंग होते हैं- उद्देश्य और विधेय

अभ्यासकार्य

प्रश्न -1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

1) शब्द किसे कहते हैं और इसके कितने भेद होते हैं ?

2) वाक्य किसे कहते हैं और इसके कितने भेद होते हैं ?

3) सार्थक तथा निरर्थक शब्द के दो-दो उदाहरण दीजिए ।

4) शब्द और वाक्य का एक – एक उदाहरण दीजिए ।

प्रश्न -2) उचित शब्दों से खाली स्थान भरिए -

(निरर्थक, नहीं, वाक्य, उद्देश्य, सार्थक)

(क) शब्दों का…………….. समूह…………..…. कहलाता है।

(ख) वर्णों का……………. समूह निरर्थक शब्द कहलाता है।

(ग) वाक्य में जिसके विषय में बात की जाए, उसे…………….. कहते हैं।

(घ) मैं जाऊँगा आज बाजार यह एक वाक्य…………………. है।

प्रश्न -3) दिए गए वाक्यों में शब्दों को सही जगह लिखकर वाक्य पूरे कीजिए -

क. हम रहे हैं घूमने जा ।

ख. हम वहाँ मनाएँगे पिकनिक ।

ग. पापा ने कार नई खरीदी ।

घ. हमें पढ़ाई – लिखाई चाहिए करनी ।

प्रश्न -4) वर्णों को सही क्रम से लगाकर सार्थक शब्द बनाइए-

(क) कोलय……………..……

(ख) ड़ाघो……………………

(ग) मचम्च………..……..

(घ) तजरबू……………..…….

(ङ) लागिस……………….

(च) सूजर ……………..….

प्रश्न -5) नीचे लिखे सही वाक्यों के आगे (√) और (X) का चिह्न लगाइए -

(क) पुस्तक पढ़ती रमा है। (   )

(ख) नदी में नौका है।   (   )

(ग) राहुल कार चला रहा है। (   )

(घ) हमें मिल-जुलकर रहना चाहिए ।(   )

(ङ) सूरज चमक रहा है तेज।   (   )

प्रश्न -6)निम्नलिखित उद्देश्यों का उनके उचित विधेयों से मिलान कीजिए -

(क) कौआ	**(i)** कपड़े सिलता है।
(ख) तारे	**(ii)** अपना पाठ याद कर रही है।
(ग) विमल	**(iii)** काला है।
(घ) सारिका	**(iv)** टिमटिमाते हैं।
(ङ) दर्जी	**(v)** विद्यालय जाता है।

प्रश्न -7) दिए गए वर्णों को सही क्रम में लिखकर सार्थक शब्द बनाइए -

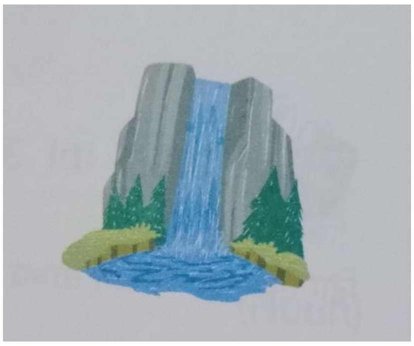

नारझ

बचागी

पाशाठला

पईढ़ा

क्षकशि

क़िबता

प्रश्न -8) निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए -

1) महल -...

2) घर -..

3) कलम -..

4) कुर्सी -...

5) मिठाई -..

6) दुकान -...

आओकुछकरें

प्रश्न -9) 'ई' और 'ऊ' की मात्रा वाले दो –दो शब्द लिखिए –

....

प्रश्न -10) चित्र देखकर सार्थक वाक्य बनाइए -

....

....

पाठ - 4

संज्ञा

हम अपने चारों ओर विभिन्न प्रकार के **जीव - जंतुओं, वस्तुओं** तथा **स्थानों** को देखते हैं । इसके अतिरिक्त मनुष्य के मन में तरह – तरह के **भाव ;** जैसे - क्रोध ,प्रेम, थकान आदि उत्पन्न होते रहते हैं। इन सबका कोई न कोई नाम होता है, इन्हीं नामों से इनकी पहचान होती है।व्याकरण में ये ही नाम '**संज्ञा**' कहलाते हैं।

निम्नांकित चित्रों के नीचे लिखे वाक्यों को ध्यान से पढ़कर समझिए -

रवि कुर्सी पर बैठा है।

आम टोकरी में हैं।

सुमन का घर सुंदर है।

इन वाक्यों में रवि एक लड़के का नाम है; कुर्सी ,आम तथा टोकरी वस्तु के नाम हैं; सुमन एक व्यक्ति (लड़की) का नाम है और घर एक स्थान का नाम है। इस तरह, हम देखते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति, वस्तु तथा स्थान का कोई -न- कोई नाम होता है। उस नाम से ही उस की पहचान होती है। इस नाम को ही 'संज्ञा' कहते हैं।

परिभाषा - किसी प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं।

संज्ञा के भेद (Kinds of Noun)

संज्ञा के तीन भेद होते हैं -

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा (Proper Noun)

2. जातिवाचक संज्ञा (Common Noun)

3. भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun

1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा**- किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या प्राणी का बोध कराने वाले शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाते हैं।जैसे - पंकज, लालकिला, राँची आदि ।

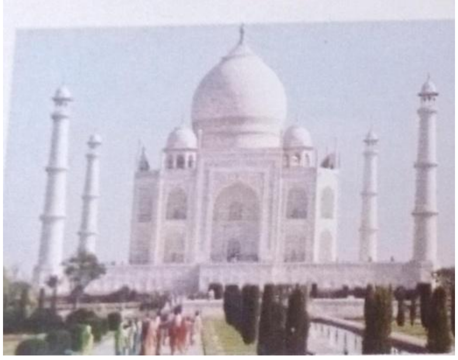

ताजमहल

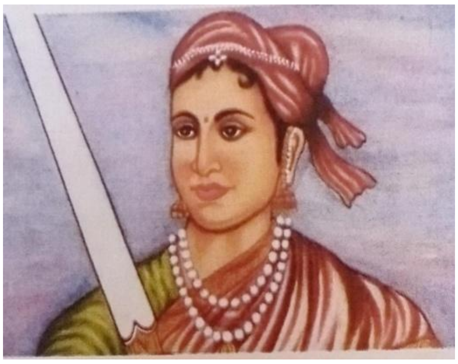

रानीलक्ष्मीबाई

हिमालय

विशेष- व्यक्तियों के नाम, स्थानो के नाम, खेलों के नाम ,त्योहारों के नाम, दिनों व महीनो के नाम आदि व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण है ।

2.**जातिवाचक संज्ञा** – एक ही जाति या वर्ग के व्यक्तियों, प्राणियों, स्थानों या वस्तुओं का बोध कराने वाले शब्द जातिवाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे -आदमी, घोड़ा, शहर, गाँव, कुरसी आदि ।

गाय

खिलौना

मेज

कुछअन्यउदाहरण- फल,सब्जी, पेड़- पौधे, आदमी, बच्चा, मोर, देश,पहाड़, अध्यापक,लड़की, मेला,माता-पिता, गाय, खिलौना आदि जातिवाचक संज्ञा के उदाहरण है।|

3. **भाववाचकसंज्ञा**-किसी भाव का ज्ञान कराने वाले शब्द भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे- मिठास, खुशी, दुख, मित्रता, जवानी, अमीरी आदि।

बचपन

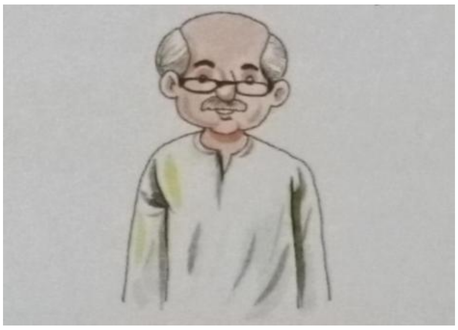

बुढ़ापा

गरीबी

कुछ अन्य उदाहरण - सुख-दुख, ममता, बचपन, ईमानदारी, बेईमानी,जवानी, खुशी, भलाई, बुराई, आनंद, स्वादिष्ट आदि भाववाचक संज्ञा के उदाहरण है ।

दिन और महीने

दिनों के नाम –एक सप्ताह में 7 दिन होते हैं ।

सोमवार, मंगलवार, बुधवार , बृहस्पतिवार / गुरुवार, शुक्रवार,शनिवार, रविवार

महीनों के नाम - एक वर्ष में बारह (12) महीने होते हैं।

जनवरी,	**फरवरी,**	**मार्च,**	**अप्रैल,**	**मई,**	**जून,**
जुलाई,	**अगस्त,**	**सितंबर,**	**अक्टूबर,**	**नवंबर,**	**दिसंबर**

यह भी जाने – एक साल में 365 दिन होते हैं । तथा प्रत्येक 4 साल बाद फरवरी माह में 29 दिन होते हैं ।

त्योहार

यह तो हम सब जानते हैं कि भारत में विभिन्न धर्मों के लोग रहते हैं। सभी धर्मों के लोग अपने-अपने त्योहार मनाते हैं।

यहाँ दो तरह के त्योहार मनाए जाते हैं -

1) राष्ट्रीय त्योहार 2) धार्मिक त्योहार

1.) राष्ट्रीय त्योहार – ये वे त्योहार हैं जो पूरे देश में हर जाति, हर धर्म के लोग मनाते हैं। राष्ट्रीय त्योहार तीन हैं -

स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त)

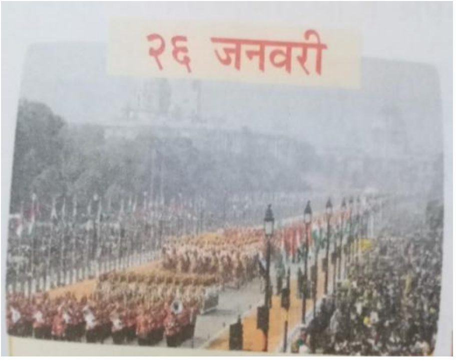

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी)

गांधी जयंती (2 अक्तूबर)

(क) स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) -1947 में इस दिन हमारा देश स्वतंत्र हुआ था ।

(ख) गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) -1950 में इस दिन देश का संविधान लागू हुआ था ।

(ग) गांधी जयंती (2 अक्तूबर) – इस दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्म दिन मनाते हैं।

2) **धार्मिक त्योहार** – हमारे देश के मुख्य धार्मिक त्योहार है- -

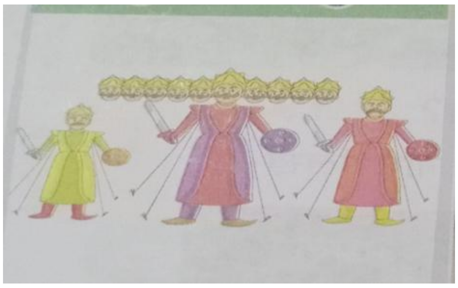

दशहरा

दीपावली

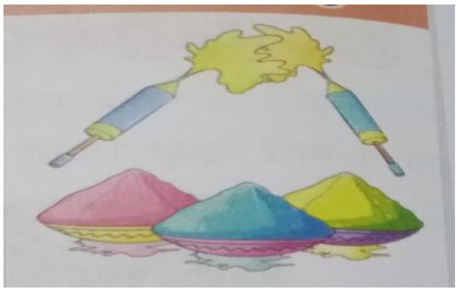

होली

क्रिसमस

ईद

जन्माष्टमी

हमनेसीखा

- किसी वस्तु, व्यक्ति अथवा स्थान के नाम को संज्ञा कहते हैं ।
- संज्ञा के तीन भेद होते हैं व्यक्ति वाचक संज्ञा,जातिवाचकसंज्ञा, भाववाचकसंज्ञा ।
- व्यक्तिवाचक संज्ञा- किसी व्यक्ति विशेष वस्तु या स्थान को बताने वाले शब्द ।
- जातिवाचक संज्ञा –किसी समूह या संपूर्ण जाति का ज्ञान करने वाले शब्द ।
- भाववाचक संज्ञा – हमारी भावनाओं, अवस्थाओं को बताने वाले शब्द ।
- सप्ताह के 7 दिन तथा वर्ष के 12 महीने होते हैं ।
- प्रमुख राष्ट्रीय व धार्मिक त्योहार और उनका महत्व ।

अभ्यासकार्य

प्रश्न -1) निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

1) संज्ञा की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए ।
2) संज्ञा कितने प्रकार की होती है ? नाम लिखिए ।
3) संज्ञा के सभी प्रकारों के दो-दो उदाहरण लिखिए।

प्रश्न -2) नीचे दिए गए वाक्यों में संज्ञा शब्द रेखांकित करके लिखिए –

क. पक्षी आकाश में उड़ रहे हैं । ……........................…

ख. बगीचे में फूल खिले हैं।……........................…

ग. बच्चे स्कूल जा रहे हैं ।…........................……

घ. शिक्षक पढ़ा रहे हैं । …...............................…

ङ. चिड़िया चहक रही है ।……........................…

प्रश्न -3) उचित संज्ञा शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(क) हम………..................……… देश के वासी हैं।

(ख) भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री…......................…….हैं।

(ग) भारतीय………...................….नदी को पवित्र मानते हैं।

(घ) भारत के दक्षिण में विशाल………….................... है।

(ङ) मेरे जन्मदिन पर दीदी ने……...............……… उपहार में दी।

प्रश्न -4) सही कथन पर (√) का तथा गलत कथन पर (X) का चिह्न लगाइए-

(क) संज्ञा के मुख्य चार भेद हैं ।( )

(ख) 'गाय' एक जातिवाचक संज्ञा है ।( )

(ग) 'गाँधीजी' व्यक्तिवाचक संज्ञा है ।( )

(घ) 'अध्यापक' भाववाचक संज्ञा है ।( )

(ङ) 'कुतुबमीनार' व्यक्तिवाचक संज्ञा है । ( )

प्रश्न -5)नीचे प्रत्येक पंक्ति में एक संज्ञा शब्द दिया गया है । उस पर गोला लगाओ -

1)	मैं,	कलम,	भारी,	बहुत
2)	हरा,	वह,	गाय,	उसका
3)	बच्चा,	हम,	तुम,	खाना
4)	मेरी,	घड़ी,	रखना,	पढ़ना
5)	थोड़ा,	कुछ,	हाथी,	अधिक

प्रश्न -6) सही विकल्प पर ☑ का चिह्न लगाइए-

(क) महात्मागाँधी-

(i) जातिवाचकसंज्ञा **(ii)** व्यक्तिवाचकसंज्ञा **(iii)** भाववाचकसंज्ञा

ख) बुढ़ापा-

(1) जातिवाचकसंज्ञा **(ii)** व्यक्तिवाचकसंज्ञा **(iii)** भाववाचकसंज्ञा

ग) सेना -

(1) जातिवाचकसंज्ञा **(ii)** व्यक्तिवाचकसंज्ञा **(iii)** भाववाचकसंज्ञा

घ) कल्पनाचावला -

(i) जातिवाचकसंज्ञा **(ii)** व्यक्तिवाचकसंज्ञा **(iii)** भाववाचकसंज्ञा

प्रश्न -7) नीचेदिएगएसंज्ञाशब्दोंकोउनकेभेदकेअनुसारछाँटकरलिखो

कुरसी, घर, मित्रता, फूल,पलंग, आगरा, प्रेम, महात्मागाँधी, शांति, राजस्थान, घृणा, हथौड़ा, बुढ़ापा, श्रीकृष्ण, महाराणाप्रताप

व्यक्तिवाचक संज्ञा-...

जातिवाचक संज्ञा-..

भाववाचक संज्ञा-..

आओ कुछ करें

प्रश्न -8) नीचे दी गई सूची को ध्यान से देखिए और ठीक ऐसी ही सूची अपनी उत्तर पुस्तिका में बनाइये । पाँच मिनट के समय में आपके मन में जितने नाम आते हैं, उन्हें उचित स्थान पर लिखते जाइए । देखिए, कक्षा में कौन अधिक नाम लिखता है ?

व्यक्ति	वस्तु	स्थान	पशु

प्रश्न -9) नीचे दिखाए चित्र को ध्यान से देखिए और उनमें से संज्ञा शब्दों को छाँटकर लिखिए-

....

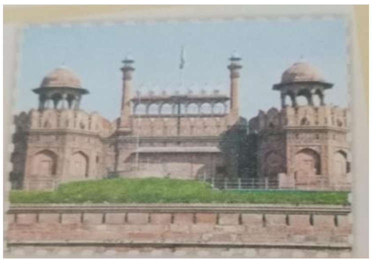

....

....

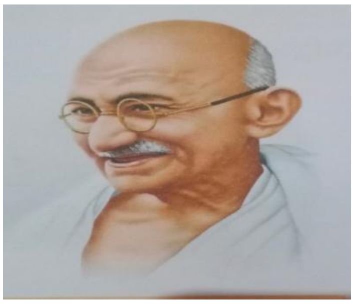

..........................,,,,,.

....

....

प्रश्न -10) चित्र देखकर संज्ञा पहचानिए और उनके नाम लिखिए ।

पाठ -5

सर्वनाम

सर्वनाम का अर्थ है - सब नामों के लिए। नाम या संज्ञा शब्दों का प्रयोग बार-बार न करना पड़े तथा भाषा सुंदर एवं प्रभावशाली बने, इसलिए सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए -

नेहा एक परिश्रमी लड़की है। नेहा प्रतिदिन प्रातःकाल छः बजे उठती है। रवि नेहा का भाई है। नेहा के पिता जी अध्यापक हैं। नेहा की माता जी गृहणी हैं। नेहा को सभी लोग बहुत प्यार करते हैं।

बच्चो, हम देखते हैं कि इन वाक्यों में नेहा का नाम छः बार आया है। बार-बार एक ही नाम का प्रयोग करने से वाक्य अटपटे लग रहे हैं। ये वाक्य इस प्रकार होने चाहिए -

नेहा परिश्रमी लड़की है। वह प्रतिदिन प्रातःकाल छः बजे उठती है। रवि उसका भाई है। उसके पिता अध्यापक हैं। उसकी माता जी गृहणी हैं। उसे सभी लोग बहुत प्यार करते हैं।

इन वाक्यों में 'नेहा' शब्द केवल एक बार आया है। शेष वाक्यों में नेहा के स्थान पर वह, उसका, उसके, उसकी और उसे शब्दों का प्रयोग हुआ है।

इस प्रकार, हमें यह पता चला कि संज्ञा के स्थान पर कुछ अन्य शब्दों का प्रयोग भी किया जा सकता है, संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले ये शब्द 'सर्वनाम' कहलाते हैं। सर्वनामों के प्रयोग से भाषा की सुंदरता बढ़ जाती है।

परिभाषा- संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द 'सर्वनाम' कहलाते हैं; जैसे- मैं, हम, तुम, आप, वह आदि।

सर्वनाम शब्द

मैं, हम, उसे, वह, मुझे, तुम, उसने, तुझसे, कौन, मेरा, यह, वह, इस, मैंने, इसने,आप, उससे, जिसने, तुम्हारा, उन्होंने, उनका, हममें, आपका, कोई, उनकी, हमने,तुझे, क्या, मेरे आदि।

एकवचन– मैं, यह, इसे, तुम, वह, उसे
बहुवचन– हम, ये, इन्हें, तुम लोग, वे, उन्हें

सर्वनाम के भेद

सर्वनाम के छह भेद होते हैं-

1. **पुरुषवाचक सर्वनाम (Personal Pronoun)**
2. **निश्चयवाचक सर्वनाम (Demonstrative Pronoun)**
3. **अनिश्चयवाचक सर्वनाम (Indefinite Pronoun)**
4. **संबंधवाचक सर्वनाम (Relative Pronoun)**
5. **प्रश्नवाचक सर्वनाम (Interrogative Pronoun)**
6. **निजवाचक सर्वनाम (Reflexive Pronoun)**

1)पुरुषवाचक सर्वनाम - वे सर्वनाम शब्द, जो बोलने वाले, सुनने वाले या अन्य किसी व्यक्ति के लिए प्रयोग किए जाते हैं, पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे- मैं, तुम, वह आदि।

मैं टी वी देख रहा हूँ।

तुम क्या कर रहे हो ?

वह मेरा मित्र है ।

2)निश्चयवाचक सर्वनाम - वे सर्वनाम शब्द, जिनसे किसी निश्चित वस्तु का बोध होता है, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे वे, इसे, यह आदि।

वे मिठाइयाँ हैं।

इसे अपने साथ ले जाओ।

यह मुझे दे दो।

3)**अनिश्चयवाचक सर्वनाम** - वे सर्वनाम शब्द, जिनसे किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध नहीं होता है, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे कुछ, किसी, कोई, आदि।

यहाँ कुछ रखा है।

किसी अच्छे डॉक्टर को दिखाओ।

कोई अच्छी कमीज दिखाइए।

4)**संबंधवाचक सर्वनाम** - वे सर्वनाम शब्द, जो दो बातों में संबंध प्रकट करते हैं, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे- जैसा-वैसा, जो-सो, जिसके, उसके आदि।

जैसा बोओगे, वैसा काटोगे।

जो होना है, सो होगा।

जिसके पास पुस्तक है, वह यहाँ आए।

5)**प्रश्नवाचक सर्वनाम** - वे सर्वनाम शब्द, जिनका प्रयोग किसी व्यक्ति या वस्तु के संबंध में प्रश्न पूछने के लिए होता है, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे कौन, क्या, कब आदि।

दरवाजे पर कौन आया है ?

मम्मी आप क्या लाई हैं ?

6)निजवाचक सर्वनाम- जो सर्वनाम शब्द काम करने वाले (कर्ता) से अपनेपन का बोध कराते हैं, वे निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे- खुद, स्वयं, आप आदि।

मैं खुद इससे खेलूँगा।

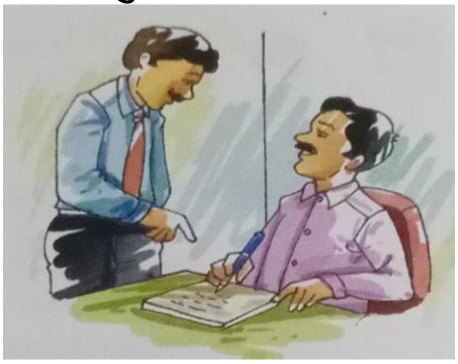
इसे आप स्वयं कीजिए।

ये आप हैं।

हमने सीखा -

- **संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं ।**
- **सर्वनाम के छह भेद हैं- पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, संबंध वाचक, प्रश्न वाचक और निजवाचक ।**
- **अपने लिए, जिससे बात की जाए, जिसके लिए बात की जाए तथा बड़ों के लिए अलग-अलग सर्वनाम प्रयोग किए जाते हैं ।**
- **सर्वनाम शब्दों के प्रयोग से भाषा सहज और सरल बनती है ।**

अभ्यास कार्य

प्रश्न -1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1) सर्वनाम किसे कहते हैं ? उदाहरण सहित लिखिए ।

2) सर्वनाम के कितने भेद होते हैं ?

प्रश्न -2). नीचे लिखे शब्दों में सर्वनाम शब्द पर गोला लगाओ -

1) श्याम,	आपसे,	माली,	हाथी
2) घड़ी,	बाहर,	यह,	अंदर
3) इसे,	पढ़ना,	हँसना,	बिल्ली
4) मोर,	पंख,	तुमने,	बहुत
5) पेड़,	पशु,	फूल,	इन्होंने
6) किसने,	लता,	माला,	कम
7) उसको,	घर,	पंखा,	बाज

प्रश्न -3) कोष्ठक में से उचित सर्वनाम छाँटकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1) श्याम ने कहा कि........................ घर जा रहा है। **(** वह / मै **)**

2) दरवाज़ा बंद कर दो,..........................आ रहा है। **(** हम / वह **)**

3) नीतू ने........................ खाना दिया। **(** उसे / तू **)**

4)........................ पुस्तक पढ़ रहे हैं। **(** वह / हम **)**

5)........................ पुकार रहे हैं। **(** वे / मैं **)**

प्रश्न -4) नीचे लिखे वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखो –

क. तुम्हारी कलम कहाँ है ?............................

ख. उधर कौन खड़ा है ?................................

ग. मुझे एक पेंसिल चाहिए।............................

घ. मैं क्रिकेट खेलता हूँ।..................................

ङ. तुम्हें किससे काम है ?...........................

च. वे बाहर गए हैं।... ....

प्रश्न -5) उचित सर्वनाम शब्द लिखकर वाक्य दोबारा लिखिए -

क.) रमा रथ पर बैठी है। रमा जुलूस में जा रही है।

ख.) कबूतर छत पर बैठा है। कबूतर दाना चुग रहा है।

ग.) मकड़ी गिर गई। मकड़ी फिर से जाला बनाने लगी।

घ.) राज का खिलौना टूट गया। राज रोने लगा।

प्रश्न -6) नीचे दिए गए सर्वनाम शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

1) वह -...

2) हम -...

3) यह -..

4) मैं -...

5) तुम -...

6) हमारा -......................................

7) मुझे -..

प्रश्न -7) सही विकल्प पर ☑ का चिह्न लगाइए -

(क) सर्वनाम के कितने भेद होते हैं ?

(i) चार **(ii)** पाँच **(iii)** छह **(iv)** सात

(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम है -

(i) मैं **(ii)** वे **(iii)** कुछ **(iv)** स्वयं

(ग) वह अपने – आप चला गया वाक्य में' आप' है -

(i) पुरुषवाचक सर्वनाम **(ii)** संबंधवाचक सर्वनाम

(iii)निश्चयवाचक सर्वनाम **(iv)**निजवाचक सर्वनाम

आओ कुछ करें

प्रश्न -8) सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करते हुए अपने मित्र के बारे में पाँच पंक्तियाँ लिखो ।

प्रश्न -9 नीचे दिए गए सर्वनाम शब्द किस प्रकार के हैं, उन्हें अलग-अलग करके लिखिए -

यह, मैं, तुम, हम, वह, कोई, क्या, कुछ, कौन, जो, आप, खुद, सो, वे, स्वयं

1) पुरुषवाचक-..................................... **4) निश्चयवाचक-....................................**

2) अनिश्चयवाचक -................................ **5) प्रश्नवाचक-.......................................**

3) निजवाचक -...................................... **6) संबंधवाचक -....................................**

प्रश्न -10) चित्र देखकर पाँच वाक्य लिखिए ।प्रत्येक वाक्य में कम- से -कम एक सर्वनाम शब्द अवश्य हो ।

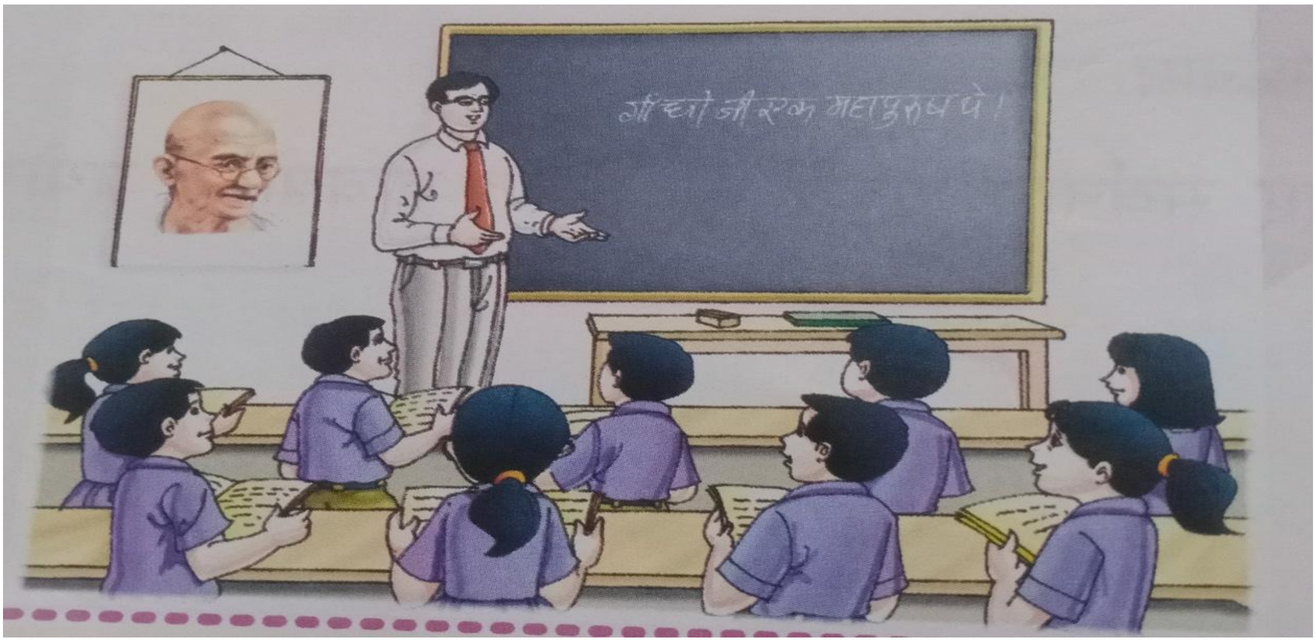

क... **ख...**

ग.. **घ...**

ङ...

पाठ -6

विशेषण

पेड़ **लंबा** है ।

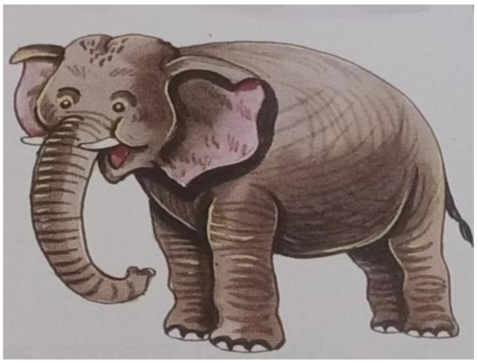

वहाँ **एक** हाथी था ।

वह **खट्टे** बेर खा रहा है ।

कमरा **बंद** है ।

उसने **नीली** कमीज पहनी है ।

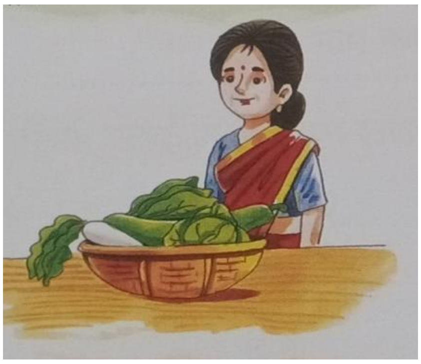

माँ ने **हरी** सब्जियाँ खरीदी ।

ऊपर के वाक्यों में 'बंद'शब्द कमरे की, 'लंबा' शब्द पेड़ की, 'नीली' शब्द कमीज की, 'एक' शब्द हाथी की, 'हरी' शब्द सब्जियों की और 'खट्टे' शब्द बेर की विशेषता बता रहे हैं । विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं ।

परिभाषा – जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, वे 'विशेषण' कहलाते हैं।

जिस शब्द की विशेषता बताई जाती है, उसे 'विशेष्य' कहते हैं । जैसे-

विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य
बंद	कमरा	एक	हाथी
लंबा	पेड़	हरी	सब्जियाँ
नीली	कमीज	खट्टे	बेर

विशेषण के भेद

विशेषण के चार भेद होते हैं-

1. **गुणवाचक विशेषण (Adjectives of Quality)**
2. **संख्यावाचक विशेषण (Adjectives of Number)**
3. **परिमाणवाचक विशेषण (Adjectives of Quantity)**
4. **संकेतवाचक या सार्वनामिक विशेषण (Demonstrative Adjectives)**

1)गुणवाचक विशेषण - जिन शब्दों से किसी वस्तु या व्यक्ति के रंग-रूप, गुण-दोष, आकार और अवस्था आदि का बोध होता है, उन्हें गुणवाचक विशेषण कहते हैं। जैसे-मोटा, अच्छा, बुरा, सही, पवित्र, योग्य, ईमानदार, धनवान आदि।

बिल्ली काली है।

गाय सफ़ेद है।

2)संख्यावाचक विशेषण- वे शब्द, जिनसे किसी वस्तु या व्यक्ति की संख्या का बोध होता है, उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। जैसे पहला, दूसरा ,एक, अनेक आदि।

दो गायें घास चर रही हैं।

चार लड़कियाँ खेल रही हैं।

3) **परिमाणवाचक विशेषण - जिन शब्दों से किसी संज्ञा या सर्वनाम की मात्रा अथवा परिमाण का बोध होता है, उन्हें परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं। जैसे- इतना, मुट्ठी भर, दो किलो, अधिक, ज्यादा आदि।**

यहाँ ढेर सारा अनाज है।

मेरे पास कुछ गहने हैं।

4) **संकेतवाचक विशेषण - वे शब्द, जो किसी वस्तु या व्यक्ति की ओर संकेत या इशारा करते हैं, उन्हें संकेतवाचक विशेषण या सार्वनामिक विशेषण कहते हैं। जैसे- उनका, मेरा, वह, उस, मेरे, उसका, मेरी आदि।**

वह व्यक्ति मेरा पड़ोसी है।

यह लड़का मेरा मित्र है।

कुछ विशेषण शब्द

1. गुण बताने वाले– अच्छा, भला, सच्चा, मेहनती आदि।
2. दोष बताने वाले– कमज़ोर, झूठा, बुरा, दुष्ट आदि।
3. आकार बताने वाले– लंबा, चौड़ा, गोल, चौकोर आदि।
4. रंग बताने वाले– लाल, काला, सफेद, हरा आदि।
5. स्वाद बताने वाले– खट्टा, मीठा, नमकीन, कड़वा आदि।
6. संख्या बताने वाले – एक, दो, तीन, पाँच, छठा, आठवाँ आदि।
7. दशा बताने वाले– सूखा, मोटा, गीला, दुबला आदि।

आइये,कुछ विशेष्य और विशेषणों के उदाहरण देखें –

विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य
विशाल ईमानदार फूलों वाला बड़ा दो	भवन लड़का वृक्ष मैदान आम	गहरा प्यारी सच्ची लाल नई	तालाब माँ घटना साड़ी कमीज

संज्ञा शब्दों से विशेषण बनाना –

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
रोग दिन मास दया	रोगी दैनिक मासिक दयालु	धर्म वर्ष मूल नमक	धार्मिक वार्षिक मौलिक नमकीन

सर्वनाम शब्दों से विशेषण बनाना-

सर्वनाम	विशेषण	सर्वनाम	विशेषण
यह जो मैं	ऐसा जैसा मुझसा	वह तुम आप	वैसा तुम-सा आप-सा

क्रिया शब्दों से विशेषण बनाना –

क्रिया	विशेषण	क्रिया	विशेषण
चलना पढ़ना	चालू पढ़ाकू	भूलना लिखना	भुलक्कड़ लिखित

हमने सीखा

- **संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।**
- **जिन संज्ञा शब्दों की विशेषता बताई जाती है, उन्हें विशेष्य कहते हैं।**
- **विशेषण चार प्रकार के होते हैं - गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक तथा सार्वनामिक विशेषण।**
- **विशेषण शब्द ही संज्ञा और सर्वनाम शब्दों का आकार, रंग, रूप, अवस्था, गुण आदि बताते हैं।**

अभ्यास कार्य

प्रश्न -1) दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

1) विशेषण की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए ?
2) विशेष्य किसे कहते हैं ?
3) दो विशेषण और दो विशेष्य शब्दों के उदाहरण दीजिए।

प्रश्न -2) उचित विकल्प पर (√) का चिह्न लगाइए-

(क) विशेषण शब्द बताते हैं-

(1) विशेषता (2) नाम (3) कार्य

(ख) जिन शब्दों की विशेषता बताई जाए वे होते हैं-

(1) सर्वनाम (2) विशेष्य (3) विशेषण

(ग) माधुरी ने नई ड्रेस पहनी है, में विशेषण शब्द क्या है-

(1) माधुरी (2) पहनी है (3) नई

(घ) संगीता बहुत मीठा गाना गाती है, में विशेष्य क्या है-

(1) संगीता (2) मीठा (3) गाना

प्रश्न -3)नीचे लिखे वाक्यों में से विशेषण शब्द को छाँटकर लिखो-

क. चाय गरम है।………………………….

ख. उसने सफ़ेद कमीज़ पहनी है।…………………………

ग. बौना आदमी सरकस में काम करता है। …………………………

घ. गली में दूसरा घर मेरा है।……………………….

ङ. पिता जी ने मीठे सेब खरीदे।……………………….

च. गेंद गोल होती है।………………………

प्रश्न -4)कोष्ठक में से सही विशेषण शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए-

क……….................……….शिक्षक पढ़ा रहे हैं। (ज्ञान / ज्ञानी)

ख. रथ में……..............…….. घोड़े बँधे हैं। (दो / दूसरा)

ग. फूल……............……… हैं| (नुकीले / सुंदर)

घ……….........……….दूध दीजिए। (एक किलो / एक दर्जन)

ङ. पहाड़ बहुत……...........……… है। (ऊँचा / ऊँची)

प्रश्न -5) नीचे लिखे विशेषण शब्दों का मिलान उचित संज्ञा शब्दों से कीजिए -

'अ'	'ब'
(क) अँधेरी	**(i)** घोड़ा
(ख) सुंदर	**(ii)** दवाई
(ग) काला	**(iii)** लड़का
(घ) मेहनती	**(iv)** रात
(ङ) कड़वी	**(v)** स्त्री

प्रश्न -6) दिए गए वाक्यों में विशेषण शब्द रेखांकित कीजिए।

क. रोहित के घर के पास नीम का विशाल पेड़ है।

ख. अंगूर मीठे हैं।

ग. चालाक लोमड़ी की चाल न चली।

घ. होशियार कुत्ते के कारण चोर पकड़ा गया।

ङ. सोनू के हाथ में दो थैले हैं।

प्रश्न -7) निम्नलिखित शब्दों में विशेषण और विशेष्य बताइए –

शब्द	**विशेषण**	**विशेष्य**
1) शरारती बालक -	………………..	………………..
2) सुंदर फूल -	……………….	……………….
3) लाल गुलाब-	………………	………………..
4) चालाक लोमड़ी -	………………..	………………
5) परिश्रमी बालक-	…………………	………………

आओ कुछ करें

प्रश्न -8) हमारे देश की ऋतुएँ सर्दी, गर्मी और बरसात से संबंधित चित्र चिपकाएँ और प्रत्येक ऋतु की दो-दो विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न -9) अपने परिवार के किसी एक सदस्य/ अपने मित्र की विशेषताएँ बताते हुए चार वाक्य लिखिए।

प्रश्न -10) चित्र देखकर उनकी तीन-तीन विशेषताएँ लिखिए -

....

....

....

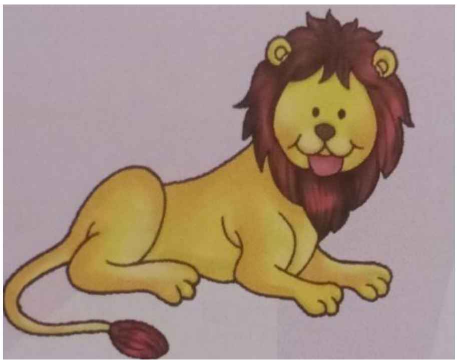
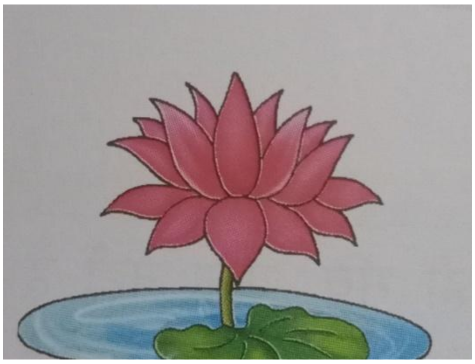

....

....

....

पाठ -7

लिंग

हम अनेक प्राणियों, वस्तुओं तथा स्थानों से घिरे रहते हैं ; जैसे - लड़की, बकरी, गाय,घर, बालक, केला, बैल आदि | इन नामो को बोलने, सुनने या लिखने से ही पता चल जाता है कि इनमें से कुछ का संबंध स्त्री जाति से और कुछ का संबंध पुरुष जाति से है ।

माली पौधों में खाद डाल रहा है ।

मालिन फूलों को देख रही है ।

लड़का विद्यालय जा रहा है।

लड़की खाना खा रही है।

ऊपर दिखाए चित्र में कुछ शब्द पुरुष जाति का एवं कुछ शब्द स्त्री जाति का बोध करा रहे हैं। ऐसे शब्दों को 'लिंग' कहते हैं ।

परिभाषा - संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष या स्त्री जाति के होने का बोध होता है ,उसे 'लिंग' कहते हैं |

लिंग के दो भेद होते हैं -

(1) पुल्लिंग (2) स्त्रीलिंग

1) पुल्लिंग — पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द पुल्लिंग कहलाते हैं ।

जैसे - घोड़ा, आदमी, बालक आदि ।

2) स्त्रीलिंग — स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं ।

जैसे - घोड़ी, औरत, बालिका आदि ।

पुल्लिंग और स्त्रीलिंग शब्द

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
वृद्ध	वृद्धा	हंस	हंसिनी
चींटा	चींटी	चूहा	चुहिया
चिड़ा	चिड़िया	कुत्ता	कुतिया
पुत्र	पुत्री	गुड्डा	गुड़िया
कबूतर	कबूतरी	ग्वाला	ग्वालिन
नर	नारी	बेटा	बेटी
राजकुमार	राजकुमारी	श्रीमान	श्रीमती
चोर	चोरनी	लड़का	लड़की
सेठ	सेठानी	मज़दूर	मजदूरनी
देवर	देवरानी	बिलाव	बिल्ली
साँप	साँपिन	मर्द	औरत
नाग	नागिन	पंडित	पंडिताइन
लुहार	लुहारिन	धोबी	धोबिन
सुनार	सुनारिन	पड़ोसी	पड़ोसिन
बंदर	बंदरिया	भतीजा	भतीजी

यह भी जानिए -

- **दिनों, महीनों, ग्रहों, पर्वतों, सागरों, देशों आदि के नाम सदा पुल्लिंग रहते हैं ।**
- **नदियों, भाषणो, तिथियों, पुस्तकों आदि के नाम सदा स्त्रीलिंग रहते हैं ।**
- **कुछ शब्द स्त्रीलिंग में और पुल्लिंग में एक समान ही रहते हैं । जैसे- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, चपरासी, थानेदार, लिपिक, अफसर, सैनिक, राजदूत आदि ।**

अभ्यास कार्य

प्रश्न -1) प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1) लिंग किसे कहते हैं ?

2) लिंग के कौन-कौन से भेद होते हैं ?

3) पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग के दो- दो उदाहरण लिखिए ।

प्रश्न -2) वाक्य के अनुसार संज्ञा के उचित लिंग रूप पर गोल घेरा लगाइए-

1) बैल / गाय घास चर रही है ।

2) नाना / नानी बाजार जाएँगे ।

3) शेर / शेरनी दहाड़ रहा है ।

4) बाग में मोरनी / मोर नाच रहा है ।

5) दुल्हन / दूल्हा घोड़ी पर बैठा था ।

प्रश्न-3) पुल्लिंग को स्त्रीलिंग से मिलाइए-

1)	पिता	रानी
2)	धोबी	माता
3)	घोड़ा	शेरनी
4)	शेर	धोबिन
5)	राजा	घोड़ी

प्रश्न -4) सही विकल्प पर ☑ का निशान लगाइए-

1) लिंग के भेद होते हैं -

1)एक 2) दो 3) तीन

2) पुरुष जाति का बोध कराते हैं -

1) पुल्लिंग शब्द 2) स्त्रीलिंग शब्द 3) कोई नहीं

3) श्रीमान का स्त्रीलिंग है-

1) श्रीमंत 2)श्रीमती 3) श्रीमानिका

प्रश्न -5) दिए गए पुल्लिंग शब्दों के स्त्रीलिंग रूप लिखिए-

1) कवि - ....
2) शिक्षक - ....
3) ग्वाला - ....
4) राजा - ....
5) चाचा - ....
6) मोर - ....

प्रश्न -6) दिए गए स्त्रीलिंग शब्दों के पुल्लिंग रूप लिखिए-

1) घोड़ी - ....
2) शेरनी - ....
3) अध्यापिका - ....
4) नानी - ....
5) गायिका - ....
6) दादी - ....

प्रश्न -7) रेखांकित शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए-

(क) <u>गायिका</u> गीत गा रही है।

(ख) <u>धोबिन</u> कपड़े धो रही है।

(ग) <u>शेर</u> गुफा में सो रहा है।

(घ) <u>रानी</u> बाग में टहल रही है।

(ङ) <u>बंदरिया</u> उछल – कूद कर रही है।

आओ कुछ करें -

प्रश्न -8) चित्र देखकर विपरीत लिंग का नाम लिखिए-

लेखक.............................. **छात्र...................................**

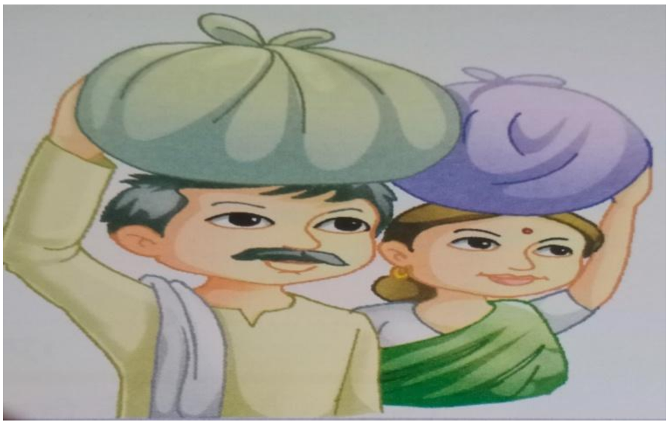

वर................................... **धोबी..................................**

प्रश्न -9) अपने परिवार के सदस्यों, पड़ोसियों और रिश्तेदारों के नाम लिखिए और उनके सामने उनके लिंग भी लिखें -

1) परिवार-......................................

2) पड़ोसी-......................................

3) रिश्तेदार -..................................

पाठ -8

वचन

....

चिड़िया, बच्चा, पत्ता, चूहा आदि शब्दों से ज़ात होता है ,कि इनकी संख्या एक है, दूसरी ओर चिड़ियाँ, बच्चे, पत्ते, चूहें आदि शब्दों से उनकी एक से अधिक संख्या होने का पता चलता है ।

निम्न चित्रों को ध्यान से देखिए और उनके नीचे लिखे वाक्यों को पढ़िए -

बच्चा खेल रहा है ।

बच्चे खेल रहे हैं ।

चूहा भाग गया ।

चूहे भाग गए ।

ऊपर दिए गए चित्रों में 'बच्चा'और 'चूहा' शब्दों से हमें पता चल रहा है कि उनकी संख्या एक है । इसी प्रकार, 'बच्चे' और 'चूहे' शब्द से हमें उनकी संख्या एक से अधिक होने का पता चल रहा है ।

परिभाषा- **संज्ञा के जिस रूप से व्यक्ति या वस्तु के एक या अनेक होने का पता चले, उसे 'वचन' कहते हैं ।**

वचन दो प्रकार के होते हैं - 1) एकवचन 2) बहुवचन

1) एकवचन – **किसी एक व्यक्ति या वस्तु का बोध कराने वाले शब्दों को एकवचन कहते हैं। जैसे - लड़का, पुस्तक, गेंद आदि।**

2) बहुवचन – **एक से अधिक व्यक्तियों या वस्तुओं का बोध कराने वाले शब्दों को बहुवचन कहते हैं। जैसे- लड़के, पुस्तके, गेंदे आदि।**

एकवचन और बहुवचन शब्दों के कुछ उदाहरण –

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
सड़क	सड़कें	गुड़िया	गुड़ियाँ
आँख	आँखें	दरवाजा	दरवाजे
कौआ	कौए	वस्तु	वस्तुएँ
केला	केले	स्त्री	स्त्रियाँ
महिला	महिलाएँ	नीति	नीतियाँ
रोटी	रोटियाँ	वधु	वधुएँ
बिल्ली	बिल्लियाँ	चिड़िया	चिड़ियाँ
माला	मालाएँ	छाता	छाते
पुस्तक	पुस्तकें	राखी	राखियाँ
ताला	ताले	मछली	मछलियाँ
किताब	किताबें	कथा	कथाएँ
छात्रा	छात्राएँ	घोड़ा	घोड़े
लता	लताएँ	कन्या	कन्याएँ
रात	रातें	माता	माताएँ

यह भी जानिए -

- **अपने से बड़े और पूज्य लोगों को सम्मान देने के लिए हमेशा बहुवचन का प्रयोग किया जाता है। जैसे- गुरूजी, पिताजी आदि।**
- **कुछ शब्द सदा एकवचन में प्रयुक्त होते हैं। जैसे - भीड़, जनता, पानी, बरसात आदि।**
- **कुछ शब्द सदा बहुवचन में प्रयुक्त होते हैं। जैसे - बाल, आँसू, हस्ताक्षर, दर्शन आदि।**

एकवचन तथा बहुवचन में समान रहने वाले शब्द-

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
हाथी	हाथी	नौकर	नौकर
पेड़	पेड़	बैल	बैल
पुत्र	पुत्र	पक्षी	पक्षी
बालक	बालक	टमाटर	टमाटर

गिनती (1से 100 तक)

1 से 100 तक हिंदी गिनती

१	एक	1	२१	इकीस	21	४१	इकतालीस	41	६१	इकसठ	61	८१	इक्यासी	81
२	दो	2	२२	बाईस	22	४२	बयालीस	42	६२	बासठ	62	८२	बयासी	82
३	तीन	3	२३	तेइस	23	४३	तैतालीस	43	६३	तिरसठ	63	८३	तिरासी	83
४	चार	4	२४	चौबीस	24	४४	चवालीस	44	६४	चौंसठ	64	८४	चौरासी	84
५	पांच	5	२५	पच्चीस	25	४५	पैंतालीस	45	६५	पैंसठ	65	८५	पचासी	85
६	छह	6	२६	छब्बीस	26	४६	छयालिस	46	६६	छियासठ	66	८६	छियासी	86
७	सात	7	२७	सताइस	27	४७	सैंतालीस	47	६७	सड़सठ	67	८७	सतासी	87
८	आठ	8	२८	अट्ठाइस	28	४८	अड़तालीस	48	६८	अड़सठ	68	८८	अट्ठासी	88
९	नौ	9	२९	उनतीस	29	४९	उनचास	49	६९	उनहत्तर	69	८९	नवासी	89
१०	दस	10	३०	तीस	30	५०	पचास	50	७०	सत्तर	70	९०	नब्बे	90
११	ग्यारह	11	३१	इकतीस	31	५१	इक्यावन	51	७१	इकहत्तर	71	९१	इक्यानवे	91
१२	बारह	12	३२	बतीस	32	५२	बावन	52	७२	बहत्तर	72	९२	बानवे	92
१३	तेरह	13	३३	तैंतीस	33	५३	तिरपन	53	७३	तिहत्तर	73	९३	तिरानवे	93
१४	चौदह	14	३४	चौंतीस	34	५४	चौवन	54	७४	चौहत्तर	74	९४	चौरानवे	94
१५	पंद्रह	15	३५	पैंतीस	35	५५	पचपन	55	७५	पचहत्तर	75	९५	पचानवे	95
१६	सोलह	16	३६	छतीस	36	५६	छप्पन	56	७६	छिहत्तर	76	९६	छियानवे	96
१७	सत्रह	17	३७	सैंतीस	37	५७	सतावन	57	७७	सतहत्तर	77	९७	सतानवे	97
१८	अठारह	18	३८	अड़तीस	38	५८	अठावन	58	७८	अठहत्तर	78	९८	अट्ठानवे	98
१९	उन्नीस	19	३९	उनतालीस	39	५९	उनसठ	59	७९	उन्नासी	79	९९	निन्यानवे	99
२०	बीस	20	४०	चालीस	40	६०	साठ	60	८०	अस्सी	80	१००	एक सौ	100

अभ्यासकार्य

प्रश्न -1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

1) वचन से आप क्या समझते हैं ?
2) एकवचन की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए ।
3) बहुवचन की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए ।
4) एकवचन तथा बहुवचन में अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न -2) सही / गलत के निशान लगाइये -

1) वचन चार प्रकार के होते हैं। (   )
2) एक से अधिक संख्या बताने वाले शब्द बहुवचन होते हैं। (   )
3) एकवचन से संख्या के एक होने का बोध होता है। (   )
4) कुछ शब्द दोनों वचनों में समान होते हैं। (   )
5) संख्या का बोध कराने वाले शब्द वचन कहलाते हैं। (   )

प्रश्न -3) सही शब्द चुनकर वाक्य पूरा कीजिए -

1) मेरी सभी…………………… वर्षा में भीग गई। (पुस्तक / पुस्तकें)
2) …………………….. बह रही है। (नदियाँ / नदी)
3) …………………… घास चर रहें है। (घोड़ा / घोड़े)
4) भारत वर्ष अनेक……………………… वाला देश है। (संस्कृति / संस्कृतियों)
5) मुझे एक……………………… दे दो। (केला / केले)

प्रश्न -4) वृक्ष में दिए गए शब्दों में से एकवचन और बहुवचन छाँटिए -

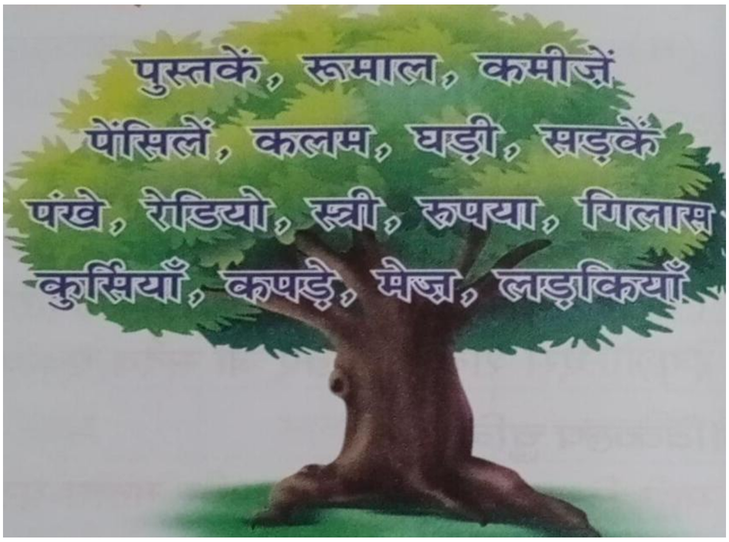

एकवचन	बहुवचन

प्रश्न -5) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखे गए हैं। सही उत्तर पर ☑ का निशान लगाइए-

1) साड़ी – साड़ियाँ / साड़ीया
2) दवाई – दवाइयाँ / दवाईयाँ
3) मिठाई – मिठाइयाँ / मिठाइएँ
4) चूहा – चुहियों / चूहे
5) माला – मालें / मालाएँ
6) लड़का – लड़काएँ / लड़के

प्रश्न -6) दिए गए शब्दों के वचन बदलकर लिखिए -

1) बेटियाँ - ....

2) घोड़ा - ....

3) तोते - ....

4) पाठशाला- …..............

5) केले - ....

6) कहानियाँ - ....

प्रश्न -7) वाक्यों में रेखांकित शब्दों के वचन बदलकर वाक्य फिर से लिखो -

क. <u>कलम</u> खो गई है।

ख. <u>आँख</u> खुली है।

ग. <u>छात्रा</u> चली गई।

घ. <u>मक्खी</u> उड़ गई ।

ङ. उसका <u>बेटा</u> बाजार गया है।

च. <u>मिठाई</u> अच्छी है ।

प्रश्न -8) एकवचन शब्द पर गोला लगाओ –

1) जूते, कमरे, कविता, खिड़कियाँ

2) सेना, धागे, कलम, बिल्लियाँ

3) मेजें, घड़ियाँ, नारी, दुकानें

4) चिड़ियाँ, रेखाएँ, हानियाँ, चिड़िया

5) बिजलियाँ, दीवार, छात्राएँ, सेनाएँ

प्रश्न -9) बहुवचन शब्द पर गोला लगाओ -

1) छप्पर, दरवाजे, घोड़ा, खिड़की

2) सखी, पौधा, मछली, गेंदें

3) बूँद, झूले, आँख, चाबी

4) बिल्ली, नारी, छात्रा, रानियाँ

5) चुहिया, माला, मक्खियाँ, सखी

6) तिथियाँ, रात, दवाई, नाली

आओ कुछ करें

प्रश्न -10) अपने शरीर के अंगों को संख्या के अनुसार एकवचन और बहुवचन के स्थान पर लिखिए -

एकवचन	बहुवचन
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

प्रश्न -11) चित्र देखकर उनकी संख्या के अनुसार संख्या का वचन लिखिए -

....

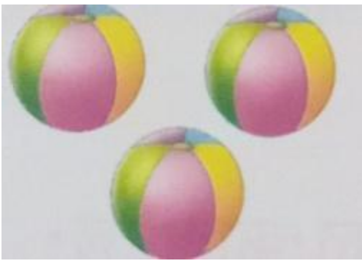

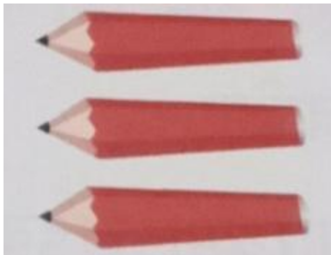

....

पाठ -9

क्रिया एवं काल

जब हम अपने चारों ओर देखते हैं तो पाते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति कुछ-न-कुछ कार्य कर रहा है साथ ही कुछ कार्य स्वाभाविक रूप से स्वयं हो रहे होते हैं। किसी काम का करना या होना 'क्रिया' कहलाता है।

दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए –

चित्र में दादी माँ किताब पढ़ रही हैं। बच्चे गेंद से खेल रहे हैं। पिताजी पौधों को पानी दे रहे हैं। माँ चाय पी रही है। बिल्ली सो रही है।

ऊपर लिखे वाक्यों को पढ़ने से पता चलता है कि कुछ-न-कुछ कार्य हो रहा है। इन वाक्यों में रंगीन लिखे शब्द क्रिया शब्द हैं। काम करने को ही 'क्रिया' कहते हैं। कुछ काम किए जाते हैं जबकि कुछ स्वयं ही होते रहते हैं।

परिभाषा - जिस शब्द से किसी कार्य के करने या होने का बोध हो उसे 'क्रिया' कहते हैं |

क्रिया के भेद

- **क्रिया के दो भेद होते हैं —**

1) सकर्मक क्रिया **2) अकर्मक क्रिया**

सकर्मक क्रिया - वाक्य में जब क्रिया के साथ कर्म होता है, तब उन्हें सकर्मक क्रिया कहते हैं । जैसे-लिखना, देना, पीना, बेचना, भेजना, बजाना, करना, खाना आदि ।

राहुल टी. वी. देख रहा है ।

गाय घास चर रही है ।

दिए गए वाक्यों में राहुल क्या देख रहा है ? तथा गाय क्या चर रही है ? प्रश्न करने पर उत्तर आता है– टी.वी. और घास । अतःटी.वी. तथा घास क्रमशः इन वाक्यों के कर्म हैं और क्रियाएँ देखना तथा चरना सकर्मक क्रिया हैं ।

अकर्मक क्रिया- वाक्यों में जब क्रियाओं के साथ कोई कर्म नहीं होता है, तो उन्हें अकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे- नहाना, दौड़ना, बैठना, सोना, चलना, जाना, उठना आदि।

वह सो रहा है।

दादी बैठी हैं।

इन वाक्यों में वह क्या सो रहा है ? और दादी क्या बैठी हैं ? प्रश्न करने पर कोई उत्तर प्राप्त नहीं होता है। अतः क्रियाएँ सोना तथा बैठना अकर्मक क्रिया हैं।

ध्यान दें

कोई वाक्य सकर्मक है या अकर्मक, इसकी पहचान के लिए क्रिया के साथ 'क्या' अथवा 'किसको' शब्द जोड़कर प्रश्न करने से जो उत्तर प्राप्त होता है, वही कर्म होता है तथा उस वाक्य की क्रिया सकर्मक होती है।

प्रकृति में स्वयं संपन्न होने वाली क्रियाएँ –

• पत्तों का टूटना अथवा गिरना	• फल का पकना
• फूल का खिलना	• नदी का बहना
• लहरों का उठना	• धूप का चमकना
• बादल का गरजना	• तारों का टिमटिमाना
• चाँद का छुपना	• अंकुर का फूटना

सामान्य क्रियाएँ –

हँसना	रोना	नाचना	बैठना
जाना	बोलना	गाना	पढ़ना
खाना	पीना	लिखना	उड़ना
देखना	सुनना	खेलना	सोना
उठना	गिरना	चलना	दौड़ना

काल

सोनू स्कूल गया।

सोनू स्कूल जा रहा है।

सोनू स्कूल जाएगा।

ऊपर के तीनों वाक्यों की क्रिया से अलग-अलग समय का बोध हो रहा है।

पहले वाक्य में क्रिया हो चुकी है। (गया)

दूसरे वाक्य में क्रिया हो रही है।(जा रहा है)

तीसरे वाक्य में क्रिया बाद में होगी।(जाएगा)

इस तरह काल से समय के बारे में जानकारी मिलती है।

परिभाषा -क्रिया के जिस रूप से काम के होने के समय की जानकारी मिले, उसे काल कहते हैं।

काल के तीन भेद हैं-

1. भूत काल (Past Tense)-क्रिया हो चुकी है।

2. वर्तमान काल (Present Tense)-क्रिया हो रही है।

3. भविष्यत् काल (Future Tense)-क्रिया बाद में होगी।

हमने सीखा

- जिन शब्दों से कार्य के करने अथवा होने का बोध होता है, वे क्रिया कहलाते हैं।
- क्रिया के बिना वाक्य पूरा नहीं होता है।
- सकर्मक क्रियाओं के साथ कर्म होता है।
- अकर्मक क्रियाओं के साथ कर्म नहीं होता है।
- क्रिया के होने या घटने के समय को काल कहते हैं।

अभ्यास कार्य

प्रश्न -1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. क्रिया की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।
2. काल की परिभाषा उदाहरण सहित एवं उसके भेद के नाम लिखिए।
3. क्रिया के कौन-कौन से भेद होते हैं ?
4. सकर्मक व अकर्मक क्रिया में अंतर स्पष्ट कीजिए ?

प्रश्न -2) नीचे दिए गए वाक्यों में क्रिया शब्दों को रेखांकित कीजिए।

क माताजी चाय पी रही हैं।

ख. मछुआरा मछली पकड़ रहा है।

ग. गिलहरी पेड़ पर चढ़ रही है।

घ. बच्चा झूला झूल रहा है।

ङ. कुम्हार बर्तन बना रहा है।

च. पक्षी उड़ रहे हैं।

प्रश्न -3 नीचे दिए गए शब्दों में जो क्रिया नहीं है, उसके आगे ☑ का चिह्न लगाइए-

(क) चलना, फल, सूँघना

(ख) कुँआ, बैठना, जाना

(ग) पेड़, हँसना, रोना

(घ) सोना, शेर, पीना

प्रश्न -4) नीचे दिए गए शब्दों में से सकर्मक तथा अकर्मक क्रिया चुनकर लिखिए-

चलना, खाना, पढ़ना, बैठना, खरीदना, नाचना, हँसना, खेलना

सकर्मक क्रिया	**अकर्मक क्रिया**
………………..	………………..
………………..	………………..
………………..	………………..
………………..	………………..

प्रश्न -5) . उचित क्रिया शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए-

(क) नमन विद्यालय……..................….. रहा है।

(ख) शिल्पी खाना……..................…… रही है।

(ग) कौआ पेड़ पर……...............………है।

(घ) गिलहरी अखरोट…...........……….रही है।

प्रश्न -6)क्रिया का उचित रूप रिक्त स्थान में भरिए-

(क) अर्जुन चित्र…………………..| (देखा, देख रहा है, देखेगी)

(ख) शुभ्रा पत्र……………………| (लिखे, लिखा, लिखेगी)

(ग) बाग में फूल…………………..| (खिलें, खिलते हैं, खिलोगे)

(घ) आप पुस्तक…………………..| (पढ़ेगा, पढ़ेगी, पढ़ेंगे)

प्रश्न -7)संज्ञा और क्रिया शब्दों का सही मेल मिलाओ –

संज्ञा	क्रिया
क. पतंग	i) हिनहिना रहा था।
ख.कुत्ता	ii) नाच रही थी।
ग. फूल	iii) की डोर कट गई।
घ. घोड़ा	iv)खिले हुए थे।
ङ. लड़की	v) भौंक रहा था।

आओ कुछ करें

प्रश्न -8) नीचे दी गई क्रियाओं से एक-एक वाक्य बनाइए-

1. **सुनना...**
2. **रखना...**
3. **उड़ाना...**
4. **पकड़ना...**
5. **भागना..**

प्रश्न -9) चित्र देखो और बताओ कि क्रिया हो चुकी है, हो रही है,या बाद में होगी?

किसान जा रहा है।

रवि सो चुका।

बच्चा दूध पी रहा है।

हम पढ़ चुके।

मैं आम खाऊँगा।

मोर नाचेगा।

प्रश्न -10) नीचे बने दृश्य को देखकर दिए गए वाक्य पूरे कीजिए –

(क) रवि फुटबाल…………… रहा है।

(ख) राधिका झूला……………रही है।

(ग) माँ तथा पिता जी……….. कर रहे हैं।

(घ) दादी जी……………. हैं।

(ङ) दादा जी अखबार……………. रहे हैं।

पाठ -10

अशुद्धि शोधन

शब्दों की शुद्ध वर्तनी एवं व्याकरण के नियमों का ज्ञान न होने के कारण कभी-कभी हमसे शब्दों के उच्चारण में एवं वाक्य लिखते समय कुछ अशुद्धियाँ हो जाती हैं; जैसे कई लोग रिक्शा को रिस्का, रबड़ी को लबड़ी, सब्जी को शब्जी, सगाई को शगाई बोलते हैं। वे लोग जैसा बोलते हैं, वैसा ही लिखते हैं जिससे भाषा का रूप अशुद्ध हो जाता है। व्याकरण के नियमों का ज्ञान न होने के कारण सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि शब्दों को लिखने, बोलने में गलतियाँ हो जाती हैं।

निम्नांकित चित्रों के नीचे लिखे वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

पिता जी दफ़्तर चला गए।

मैंने खाना खा रहा हूँ।

इन वाक्यों में गलतियों का कारण क्रमशः उच्चारण तथा व्याकरण के नियमों का ज्ञान न होना है। इन वाक्यों का शुद्ध रूप है-

- **पिता जी दफ्तर चले गए।**
- **मैं खाना खा रहा हूँ।**

शब्दों की अशुद्धियाँ

अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द	अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द
• प्राणि	• प्राणी	• अकाश	• आकाश
• शबद	• शब्द	• पूस्तक	• पुस्तक
• परिक्षा	• परीक्षा	• बडी	• बड़ी
• गुरू	• गुरु	• पूलीस	• पुलिस
• चहिए	• चाहिए	• सन्देह	• संदेह
• पड़ौस	• पड़ोस	• क्योंकी	• क्योंकि
• पती	• पति	• बिमार	• बीमार
• रूपया	• रुपया	• पुजा	• पूजा
• रूकना	• रुकना	• अधीक	• अधिक
• मैने	• मैंने	• सहेलि	• सहेली
• हंसना	• हँसना	• भाइ	• भाई
• गुन	• गुण	• इसाई	• ईसाई
• सनसार	• संसार	• हीमालय	• हिमालय
• विधालय	• विद्यालय	• बाक्य	• वाक्य
• चिडिया	• चिड़िया	• भूमी	• भूमि
• कीसान	• किसान	• मूख्य	• मुख्य
• बुढ़ा	• बूढ़ा	• सपष्ट	• स्पष्ट
• प्रक्रति	• प्रकृति	• कृप्या	• कृपया
• समापत	• समाप्त	• अच्छि	• अच्छी
• करम	• कर्म	• फुल	• फूल

वाक्यों की अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य	अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
मेरे को जाना है।	मुझे जाना है।	मीरा रोटी बनाता है।	मीरा रोटी बनाती है।
मेरा कलम खो गया।	मेरी कलम खो गई।	बढ़ई ने लकड़ी को मेज बनाई।	बढ़ई ने लकड़ी से मेज बनाई।
यह मेरा घड़ी है।	यह मेरी घड़ी है।	माँ ने बाज़ार जाना है।	माँ को बाज़ार जाना है।
उधर को मत खेलो।	उधर मत खेलो।	हम पढ़ता है।	हम पढ़ते हैं।
उसने मुझको कहा।	उसने मुझसे कहा।	मोहन का गाय बीमार है।	मोहन की गाय बीमार है।
राम ने रावण को मारी।	राम ने रावण को मारा।	कुत्ते भौंकता है।	कुत्ते भौंकते हैं।
आप जाओ।	आप जाइए।	बिल्ली दूध पी गया।	बिल्ली दूध पी गई।
सब बच्चे को मिठाई दो।	सब बच्चों को मिठाई दो।	आप आपका काम करें।	आप अपना काम करें।
दादा जी बाहर गया है।	दादा जी बाहर गए हैं।	उसका किताब मेरे पास है।	उसकी किताब मेरे पास है।
तेरे को क्या हुआ ?	तुम्हें क्या हुआ ?	तालाब पर मछली है।	तालाब में मछली है।
मैंने खाना खाऊँगा।	मैं खाना खाऊँगा।		

हमने सीखा

- वर्तनी गलत लिखने से शब्द गलत हो जाते हैं |
- गलत वर्तनी लिखने से शब्द का अर्थ बदल जाता है |
- शब्दों को गलत क्रम में लिखने से तथा उनका गलत प्रयोग करने से वाक्य अशुद्ध हो जाते हैं |
- अशुद्धियाँ दो प्रकार की होती हैं- (1)वर्तनी संबंधी (2)वाक्य संबंधी |

अभ्यास कार्य

प्रश्न -1) दिए गए शब्दों के शुद्ध रूप पर गोल घेरा लगाइए-

क. पुरस्कार, पूरसकार, पुरसकार
ख. ग्रहकार्य, गृहकारय, गृहकार्य
ग. मनुष्य, मनुश्य, मनूष्य
घ. दवाईयाँ, दवाईयां, दवाइयाँ
ङ. प्रतीक्षा, प्रतीक्शा, प्रतिक्षा

प्रश्न -2) इन अशुद्ध शब्दों के शुद्ध रूप लिखो-

1)	क्षात्र	-…………………	**2)**	छूट्टी	-…………………
3)	गुन	-…………………	**4)**	बुढ़ा	-…………………
5)	भुमी	-…………………	**6)**	हंसना	-…………………
7)	पड़ौस	-…………………	**8)**	सडक	-…………………
9)	पुजा	-…………………	**10)**	पूस्तक	-…………………

प्रश्न -3)निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए -

(क) उसका आँसू निकल गया।

(ख) हम आपसे कहा था।

(ग) मैं दसवीं कक्षा में पढ़ा करता हूँ।

(घ) उसका साँस फूल रही है।

(ङ) उसने हाथ जोड़ा।

प्रश्न -4) एक जैसे शब्दों का सही मिलान कीजिए-

खण्ड 'अ'	**खण्ड 'ब'**
(क) गरमी	**(i)** प्रणाम
(ख) दोष	**(ii)** रोशनी
(ग) सूर्य	**(iii)** गरमी
(घ) रोशनी	**(iv)** सूर्य
(ङ) प्रणाम	**(v)** दोष

प्रश्न -5) सही शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए -

(क) गुरु पर्व पर…………............... निकाला जाता है | (जुलूस, जलूस)

(ख) अपनी पुत्री से मिलकर पिता का………..............…गदगद् हो गया। (हृदय, हिरदय)

(ग) उपवन में……...............…..खिले हैं। (गुलाब, गूलाब)

(घ) मेरा…………..............बहुत अच्छा है। (इस्कूल, स्कूल)

(ङ) सात्विक बहुत………...............….लड़का है। (होसियार, होशियार)

आओ कुछ करें

प्रश्न -6) अपने आसपास सभी से बातें करते समय आपने किन-किन अशुद्ध शब्दों और वाक्यों को देखा, सुना है उनकी सूची बनाइए। उनके सही रूप लिखिए।

अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द
………………….....	………………….....
…………………..	…………………..
…………………..	…………………..

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य

…………………………………………………………..

…………………………………………………………………..………………………………………

……………………………………………………………………………………………………..

पाठ -11

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

प्रत्येक व्यक्ति समय बचाने के लिए अपनी बात को संक्षिप्त रूप में कहना चाहता है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए वह वाक्य या उसके किसी अंश के स्थान पर केवल एक शब्द का प्रयोग करता है। इससे वाक्य न केवल सरल होता है बल्कि प्रभावशाली भी बन जाता है।

ऐसे ही कुछ वाक्यांशों के लिए प्रयोग किए जाने वाले शब्दों पर ध्यान दीजिए-

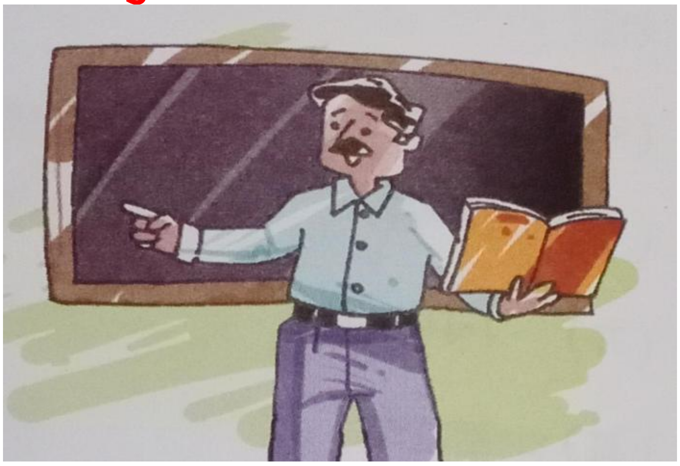

पढ़ाने वाला - शिक्षक

गीत गाने वाला- गायक

विद्या पाने वाला – विद्यार्थी

गाड़ी चलाने वाला- चालक

बच्चों! आपने देखा कि उपर्युक्त चित्रों में उनके नीचे अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखे हैं। इन शब्दों का प्रयोग भाषा को सरल और सुंदर बनाने के लिए किया जाता है।

परिभाषा- जो शब्द अनेक शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें अनेक शब्दों के लिए एक शब्द कहते हैं।

कुछ अनेक शब्दों के लिए एक शब्द निम्नलिखित है -

अनेक शब्द	एक शब्द
• देखने योग्य	• दर्शनीय
• जो दूसरों का उपकार करे	• परोपकारी
• शाक खाने वाला	• शाकाहारी
• मांस खाने वाला	• मांसाहारी
• जो साथ पढ़ता हो	• सहपाठी
• जो मिठाई बनाने का काम करे	• हलवाई
• जो गहने बनाने का काम करे	• सुनार
• हर दिन होने वाला	• दैनिक
• सप्ताह में एक बार होने वाला	• साप्ताहिक
• महीने में एक बार होने वाला	• मासिक
• वर्ष में एक बार होने वाला	• वार्षिक
• जिसका अंत न हो	• अनंत
• जिसके आने की तिथि न हो	• अतिथि
• जो शिकार करे	• शिकारी
• जो अभी तक माता का दूध पीता हो	• दुधमुँहा
• जिसमें बल कम हो	• निर्बल
• जो वस्तु अपने देश की हो	• स्वदेशी
• जो वस्तु दूसरे देश की हो	• विदेशी
• जिसके हृदय में दया न हो	• निर्दयी
• विद्या पाने वाला	• विद्यार्थी
• जिसमें भय न हो	• निर्भय
• जो कभी न हो सके	• असंभव

हमने सीखा

- भाषा को सरल और प्रभावशाली बनाने के लिए अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग किया जाता है ।
- अनेक शब्दों को वाक्यांश भी कहते हैं ।

अभ्यास कार्य

प्रश्न -1) वाक्यांश किसे कहते हैं ?

प्रश्न -2) सही विकल्प चुनिए-

(क) मूर्तियाँ बनाता है-

(i) लोहार **(ii)** कुम्हार **(iii)** मूर्तिकार **(iv)** सुनार

(ख) साग-सब्ज़ी खाने वाला कहलाता है-

(i) माँसाहारी **(ii)** कीटाहारी **(iii)** सर्वाहारी **(iv)** शाकाहारी

(ग) जो पढ़ाता है, वह है-

(i) अनपढ़ **(ii)** पाठक **(iii)** अध्यापक **(iv)** कोई नहीं

(घ) जो डरे नहीं, वह कहलाता है-

(i) दयालु **(ii)** रक्षक **(iii)** अत्याचारी **(iv)** निडर

(ङ) दूध बेचता है-

(i) हलवाई **(ii)** गाय **(iii)** दूधिया **(iv)** दुकानदार

प्रश्न -3) अनेक शब्दों के बदले एक शब्द लिखो -

क. शाक खाने वाला - ....

ख. जो शिकार करे - ....

ग. जो गहने बनाने का काम करे - ....

घ. सप्ताह में एक बार होने वाला - ....

ङ. जिसका अंत न हो - …...............................

च. जिसमें बल कम हो - …...............................

प्रश्न -4) दिए गए शब्दों के वाक्यांश लिखिए -

1) चित्रकार - **…...............................**

2) अभिनेता - **……………………..**

3) अमर - **…………………….**

4) गायक - **..…………………….**

5) कवि - **.................................**

6) अतिथि - **................................**

प्रश्न -5) सही शब्द चुनकर वाक्य पूरा कीजिये –

कवि, प्रतिदिन, बढ़ई, कुम्हार

1)............................ने फर्नीचर बनाया ।

2)............................ ने बहुत अच्छी कविता सुनाई ।

3)............................. समय पर उठा करो ।

4)............................. मिट्टी के बर्तन बना रहा है।

आओ कुछ करें -

प्रश्न -6) चित्र पहचान कर उनके लिए वाक्यांश तथा एक शब्द लिखिए -

....

....

....

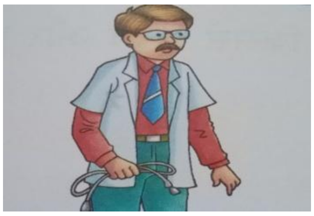
....

....

पाठ - 12

विलोम शब्द

बच्चों! क्या आप जानते हैं कि विपरीतार्थक शब्दों को विलोम शब्द या उल्टे अर्थ वाले शब्द भी कहते हैं ।

नीचे दिए गए चित्रों को ध्यान पूर्वक देखिए -

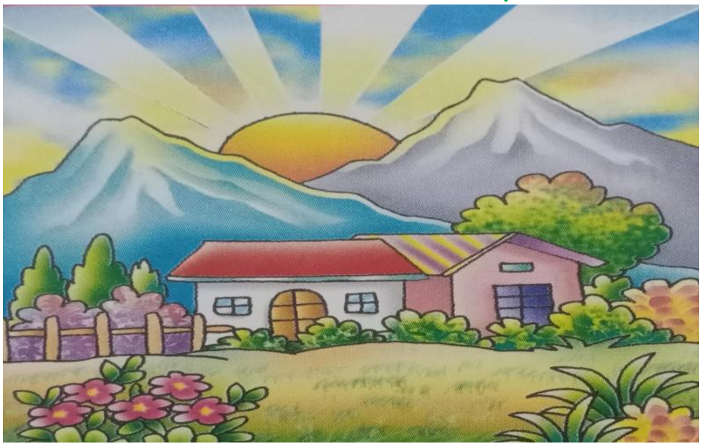

दिन में सूर्य का प्रकाश होता है । **रात में चंद्र अंधकार में चमकता है।**

रंगीन छपे शब्द 'दिन' और 'रात' 'सूर्य' और 'चंद्र' 'प्रकाश' और 'अंधकार' एक दूसरे के विपरीत (उल्टा) अर्थ बता रहे हैं ।

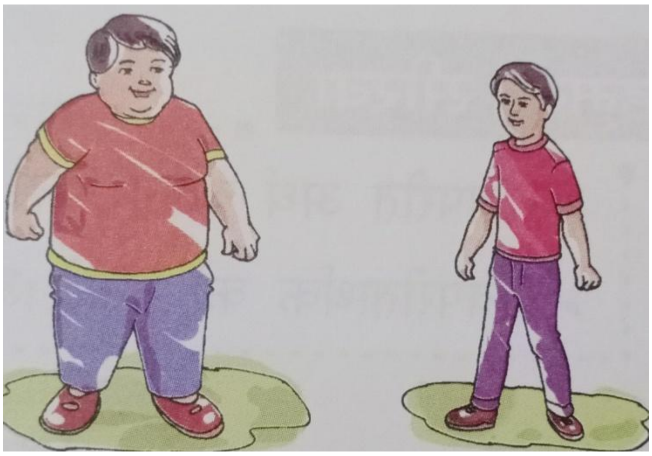

हँसना **रोना** **मोटा** **पतला**

ऊपर दिए गए शब्द एक दूसरे का विपरीत अर्थ बता रहे हैं । इन्हे ही विलोम शब्द कहते हैं।

परिभाषा -- जो शब्द एक- दूसरे का विपरीत या उल्टा अर्थ देते हैं, उन्हें हम विलोम या विपरीतार्थक शब्द कहते हैं ।

कुछ विलोम शब्द निम्नलिखित है -

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
• अपना	• पराया	• लेन	• देन
• हानि	• लाभ	• फूल	• काँटा
• उदय	• अस्त	• प्रश्न	• उत्तर
• आदि	• अंत	• शुद्ध	• अशुद्ध
• आशा	• निराशा	• स्वर्ग	• नरक
• आकाश	• पाताल	• शुभ	• अशुभ
• अमृत	• विष	• न्याय	• अन्याय
• ऊँच	• नीच	• धूप	• छाँव
• खुला	• बंद	• सूखा	• गीला
• कोमल	• कठोर	• सुख	• दुख
• क्रय	• विक्रय	• सरदी	• गरमी
• उचित	• अनुचित	• सुबह	• शाम
• ज्ञान	• अज्ञान	• जीत	• हार
• ज्वार	• भाटा	• देश	• विदेश
• प्रसन्न	• अप्रसन्न	• स्वतंत्र	• परतंत्र
• पाप	• पुण्य	• एक	• अनेक
• गाढ़ा	• पतला	• सौभाग्य	• दुर्भाग्य
• गुण	• दोष	• उतार	• चढ़ाव
• निकट	• दूर	• सत्य	• असत्य
• साक्षर	• निरक्षर	• पूर्ण	• अपूर्ण
• प्रकाश	• अंधकार	• नया	• पुराना
• दास	• स्वामी	• विद्वान	• मूर्ख
• आय	• व्यय	• राजा	• रंक
• मित्र	• शत्रु	• निडर	• डरपोक

हमने सीखा

- विपरीत अर्थ बताने वाले शब्द विलोम या विपरीतार्थक शब्द कहलाते हैं।
- विपरीतार्थक को उल्टे अर्थ वाले शब्द भी कहते हैं ।

अभ्यास कार्य -

प्रश्न -1) विलोम शब्द किसे कहते हैं ?

प्रश्न -2)दिए गए शब्दों के सही विलोम पर ☑ का चिह्न लगाइए-

(क) प्राचीन-

(i) पुरातन **(ii)** भूतकाल **(iii)** नवीन

(ख) उदय-

(i) उगना **(ii)** छिपना **(iii)** अस्त

(ग) राग-

(i) द्वेष **(ii)** प्रेम **(iii)** बैर

(घ) सुबह-

(i) रात **(ii)** शाम **(iii)** मोर

(ङ) आना-

(i) जाना **(ii)** काम **(iii)** भागना

प्रश्न -3) उचित विलोम शब्दों पर गोला बनाएँ -

1) साफ़ - सुंदर, गंदा, असुंदर

2) बुद्धिमान - बेवकूफ, चतुर, मूर्ख

3) अँधेरा - प्रकाश, उजाला, अंधकार

4) अंदर - ऊपर, बाहर, नीचे

5) जीत - हार, कंगन, विजय

प्रश्न -4)विलोम शब्दों से मिलाइए -

खण्ड 'अ'	**खण्ड 'ब'**
1. दिन	(क) कड़वा
2. आज	(ख) बुरा
3. सुबह	(ग) रात
4. अच्छा	(घ) कल
5. मीठा	(ङ) शाम

प्रश्न -5) खाली स्थानों में कोष्ठक में दिए गए शब्दों के विलोम शब्द भरो -

क. खेल में हम लोगों की............................हुई। (हार)

ख. हमें सदा................................ बोलना चाहिए। (असत्य)

ग.शहर यहाँ से......................... है। (निकट)

घ. सूर्य पश्चिम में........................ होता है। (उदय)

ङ. हमारे अध्यापक.......................... व्यक्ति हैं। (मूर्ख)

च. हमारा देश............................ है। (परतंत्र)

छ बगीचे से......................... तोड़ लाओ। (काँटा)

प्रश्न -6) नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए -

1. देश -............................
2. सत्य -.........................
3. राजा -.........................
4. आय -........................
5. पाप -.........................
6. सुख -.........................

आओ कुछ करें -

प्रश्न -7) नीचे दिए गए चित्र में से कोई तीन शब्द निकालिए और उनके विलोम शब्द लिखिए |

शब्द	विलोम शब्द	शब्द	विलोम शब्द
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

पाठ -13

पर्यायवाची शब्द

संसार की समस्त भाषाओं में कई वस्तुओं के एक से अधिक नाम भी होते हैं। ऐसे शब्द पर्यायवाची अथवा समानार्थी शब्द कहलाते हैं। हिंदी भाषा में भी कुछ वस्तुओं के कई-कई नाम होते हैं; जैसे घर के लिए गृह, भवन, सदन, तथा आवास शब्दों का प्रयोग किया जा सकता है। अतः ये सभी शब्द के समानार्थक अथवा पर्यायवाची शब्द है।

नीचे बने प्रत्येक चित्र के चार -चार नाम दिए गए हैं-

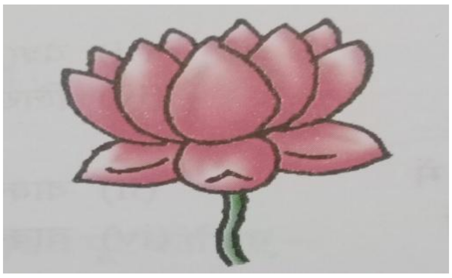

गृह, सदन, भवन, आवास   सरोज, जलज, नीरज, पंकज   तरू, पेड़, वृक्ष, विटप

इन चित्रों के विभिन्न नामों को पढ़कर आप समझ सकते हैं कि हम एक वस्तु या प्राणी को अनेक नामों से पुकार सकते हैं। इनके नाम अलग-अलग हैं किंतु अर्थ एक ही है। ऐसे शब्दों को 'पर्यायवाची' अथवा 'समानार्थी' शब्द कहते हैं।

परिभाषा-- **समान अर्थ बताने वाले अलग-अलग शब्द पर्यायवाची शब्द / समानार्थी शब्द कहलाते हैं |**

पर्यायवाची शब्द-

शब्द	पर्यायवाची शब्द
1.धरती	भूमि, भू, धरा
2.चंद्रमा	शशि, राकेश, मयंक
3.पानी	नीर, वारि, जल
4.आकाश	गगन, अंबर, नभ
5. पुत्र	बेटा, लड़का, सुत
6. अग्नि	अनल, पावक, आग
7. पाठशाला	विद्यागृह, विद्यालय, मदरसा
8. आँख	नेत्र, चक्षु, लोचन
9. इच्छा	अभिलाषा, चाह, कामना
10. कपड़ा	वस्त्र, चीर, पट
11. धरती	धरा, पृथ्वी, भूमि
12. पहाड़	गिरि, पर्वत, नग
13. पेड़	वृक्ष, विटप, तरु
14. फूल	पुष्प, सुमन, कुसुम
15. बगीचा	उपवन, कानन, वन
16. भगवान	ईश्वर, परमेश्वर, प्रभु
17. माँ	माता, जननी, अंबा
18. संसार	विश्व, जगत, दुनिया
19. वायु	पवन, समीर, हवा
20. दिन	दिवस, वार, दिवा
21. नदी	सरिता, सलिला, निर्झरिणी
22. तालाब	सर, सरोवर, तालाब
23. बादल	मेघ, जलद, घन
24. औरत	स्त्री, महिला, नारी
25. नाग	सर्प, साँप, भुजंग
26. पक्षी	विहग, चिड़िया, पंछी
27. सुबह	प्रातः, सवेरा, प्रभात

हमने सीखा

- एक ही प्राणी या वस्तु को कई नाम से पुकारा जाता है।
- एक ही अर्थ वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द या समानार्थी शब्द कहते हैं ।
- पर्यायवाची शब्दों के किसी भी शब्द का प्रयोग हर जगह नहीं किया जा सकता ।

अभ्यास कार्य

प्रश्न -1) पर्यायवाची शब्द किसे कहते हैं ?

प्रश्न -2) सही पर्यायवाची शब्द पर गोला लगाइए -

1) समुद्र	-	समीर,	सागर,	भानु
2) माता	-	जननी,	भगिनि,	शीश
3) फूल	-	फल,	पुष्प,	पत्ता
4) पेड़	-	वृक्ष,	खग ,	पर्वत
5) पर्वत	-	विटप,	गिरि,	वारि
6) चक्षु	-	नेत्र,	चखना ,	छाछ

प्रश्न -3) रेखांकित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए -

1) मित्र को........................... भी कहते हैं ।
2) रवि कहो या....................... एक ही बात है ।
3) घर कहो या........................एक ही बात है ।
4) माता को.......................... भी कहते हैं ।
5) हम हवा को.........................भी कहते हैं ।

प्रश्न -4)पर्यायवाची शब्दों के सही जोड़े बनाओ -

खण्ड 'अ'	खण्ड 'ब'
क. जल	i) बेटा
ख. आग	ii) स्वर्ण
ग. कपड़ा	iii)पर्वत
घ. सोना	iv) पानी
ङ. पुत्र	v) वसन
च. पहाड़	vi) अग्नि

प्रश्न -5)गलत पर्यायवाची शब्द पर (×) का चिह्न लगाइए-

क. आग - अग्नि, राकेश, पावक

ख. रात - रात्रि, निशा, अनल

ग. चिड़िया - विहग, खग, राशि

घ. कमल - जलज, सरोज, पवन

ङ. आँख - नेत्र, दिनकर, लोचन

प्रश्न -6) निम्नलिखित शब्दों के दो- दो पर्यायवाची शब्द लिखिए -

1) बादल -...................... ....

2) पेड़ -.......................... ....

3) बाग -........................ ....

4) रात -....................... ....

5) नदी -...................... ....

आओ कुछ करें

प्रश्न -7) दिए गए चित्रों के दो- दो पर्यायवाची शब्द लिखिए –

....

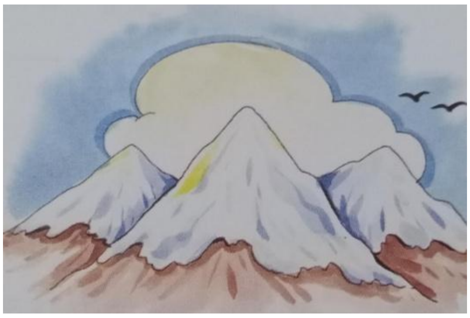

....

पाठ -14

मुहावरे

भाषा को प्रभावशाली, आकर्षक तथा रोचक बनाने के लिए ऐसे शब्दों या वाक्यांशों का प्रयोग किया जाता है, जिनका अर्थ शाब्दिक न होकर कुछ और अर्थात विशेष होता है | इन वाक्यांशों को 'मुहावरे' कहते हैं ।

नीचे दिए गए चित्रों को देखिए और वाक्यों को पढ़िए-

जैसे ही कमल ने नीचे गिरी चॉकलेट देखी, उसके मुँह में पानी आने लगा। वह उसे उठाने लगा। माँ ने उसे आँखें दिखाई। कमल ने माँ से माफी माँगी। माँ ने उसे छाती से लगा लिया।

ऊपर दिए गए चित्र और वाक्यों में प्रयुक्त रंगीन वाक्यांश को ध्यान से देखिए और पढ़िए-

- **मुँह में पानी आना का अर्थ है - जी ललचाना ।**
- **आँखें दिखाना का अर्थ है क्रोध जताना ।**
- **छाती से लगाना का अर्थ है - बहुत प्यार करना ।**

यहाँ पर कुछ खास तरीके से अपनी बातों को कहा गया है, इन्हें मुहावरे कहते हैं। सरल वाक्य को विशेष रूप से प्रस्तुत करना मुहावरा कहलाता है। इससे भाषा की सुंदरता बढ़ जाती है।

परिभाषा - एक ही बात को सीधे तरीके से तथा विशेष तरीके से कहा जा सकता है। यह विशेष तरीका मुहावरा कहलाता है।

निम्नलिखित मुहावरों को पढ़िए और उनके अर्थ समझिए -

मुहावरा	अर्थ
• कान भरना	• चुगली करना
• आँखों में धूल झोंकना	• धोखा देना
• आसमान सिर पर उठाना	• बहुत शोर मचाना
• दंग रह जाना	• हैरान रह जाना
• नाच नचाना	• परेशान करना
• पिंड छुड़ाना	• पीछा छुड़ाना
• छक्के छूटना	• हिम्मत हारना
• पेट में चूहे कूदना	• बहुत भूख लगना

नीचे कुछ मुहावरे,उनके अर्थ तथा वाक्यों में उनका प्रयोग दिया गया है | इन्हें पढ़िए और समझिए -

1) उल्लू बनाना - मूर्ख बनाना।

वाक्य - पॉकेटमार हम लोगों को उल्लू बनाकर चला गया।

2) कमर कसना - तैयार होना।

वाक्य -आज कमर कसकर आया हूँ, काम पूरा करके ही छोड़ूँगा।

3) काला अक्षर भैंस बराबर - अनपढ़।

वाक्य -राजू अखबार नहीं पढ़ सकता, उसके लिए तो काला अक्षर भैंस बराबर है।

4) खून-पसीना एक करना - बहुत मेहनत करना ।

वाक्य - मजदूर खून-पसीना एक करके अपना गुजारा करते हैं।

5) घी के दिये जलाना - खुशियाँ मनाना।

वाक्य -आज मेरा बेटा परीक्षा में प्रथम आया है, मैं घी के दिये जलाऊँगी।

6) पानी-पानी होना - लज्जित होना।

वाक्य - चोरी पकड़े जाने पर वह पानी-पानी हो गया।

7) पेट में चूहे कूदना - बहुत भूख लगना।

वाक्य - मेरे पेट में चूहे कूद रहे हैं, सबसे पहले मैं खाना खाऊँगा ।

8) फूला न समाना - बहुत प्रसन्न होना।

वाक्य -विद्यालय की क्रिकेट टीम का कप्तान बनकर रोहित फूला न समा रहा था।

9) बाएँ हाथ का खेल - बहुत आसान काम।

वाक्य -गणित के सवाल हल करना उसके लिए बाएँ हाथ का खेल है।

10) मुँह फुलाना - गुस्सा होना।

वाक्य - मनपसंद खिलौना न मिलने पर पप्पू मुँह फुलाकर बैठ गया।

11) मुँह में पानी भर आना- ललचा जाना।

वाक्य -मेमने को देखकर भेड़िये के मुँह में पानी भर आया।

12) लोहा लेना - मुकाबला करना ।

वाक्य - हमारी फुटबाल टीम मैदान मे डटकर लोहा लेगी ।

हमने सीखा

- **बात को विशेष तरीके से** कहने **के लिए मुहावरों का प्रयोग किया जाता है ।**
- **मुहावरों के अर्थ मुहावरों** के **शब्दों से अलग होते हैं ।**
- **मुहावरे वाक्य के अंश होते हैं ।**
- **मुहावरों से भाषा आकर्षक,सुंदर, रोचक तथा प्रभावशाली बनती है ।**

अभ्यास कार्य

प्रश्न -1) मुहावरों के सही अर्थ के सामने (√) का चिह्न लगाइए-

(क) आँखें खुलना–

(i) होश आना (ii) नींद खुलना (iii) सच का पता चलना

(ख) मुँह छिपाना–

(i) छिप जाना (ii) लज्जित होना (iii) भाग जाना

(ग) अँगूठा दिखाना–

(i) देने से मना करना (ii) मूर्ख बनाना (iii) धमकाना

(घ) घुटने टेकना–

(i) थक जाना (ii) आराम करना (iii) हार मान लेना

प्रश्न -2) निम्नलिखित मुहावरों को उनके अर्थ से मिला दीजिए -

खण्ड 'अ'	**खण्ड 'ब'**
1. दाँत खट्टे करना	(क) बहुत प्यारा
2. मुँह में पानी आना	(ख) गायब हो जाना
3. आँखों का तारा	(ग) निश्चिन्त होना
4. घोड़े बेचकर सोना	(घ) ललचाना
5. नौ दो ग्यारह होना	(ङ) बुरी तरह हराना

प्रश्न -3) खाली स्थानो में मुहावरों का उचित रूप भरो-

पेट में चूहे कूदना, मुँह फुलाना, मुँह में पानी भर आना, आँखे दिखाना, खून पसीना एक करना, हवा से बाते करना

क.) मिठाई न मिलने पर बालक…………….............बैठ गया ।

ख.) उसकी मोटरसाइकिल………….. ....करती हुई चलती है ।

ग.) मनपसंद चॉकलेट देखकर राजू के……………............आया ।

घ.) अंकित का मन पढ़ाई में नहीं लग रहा था, क्योंकि उसके…………….............. रहे थे ।

ङ.) परीक्षा में सफलता पाने के लिए मोहित ने…………….............कर दिया ।

च.) वह शरारती लड़का बात-बात में…………................... है।

प्रश्न- 4) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-

1) खून पसीना एक करना-..
2) पानी- पानी होना-...
3) फूला न समाना-...
4) बाएँ हाथ का खेल-...
5) मुँह में पानी भर आना -......................................

आओ कुछ करें

प्रश्न -5) चित्र देखकर मुहावरा लिखिए-

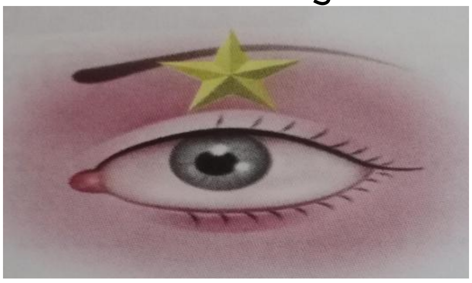

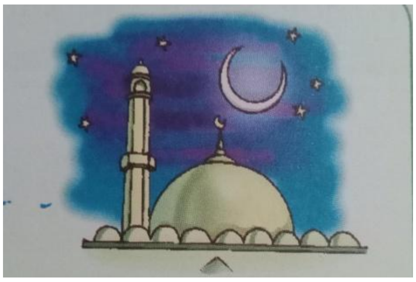

....

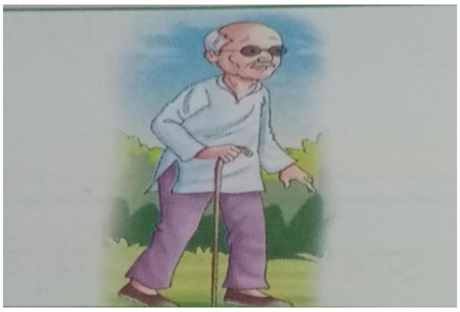

....

पाठ -15

विराम चिह्न

बच्चों नीचे लिखे वाक्यों को ध्यान से पढ़िए-

माँ – बेटा ! जल्दी करो, पढ़ो, मत खेलो ।

पिता – बेटा ! जल्दी करो, पढ़ो मत, खेलो ।

माँ के वाक्य से पता चल रहा है कि माँ पढ़ने के लिए कह रही है।
पिता के वाक्य से प्रतीत होता है कि वे पढ़ने से रोक रहे हैं।

दोनों वाक्यों में वही शब्द हैं फिर भी दोनों वाक्य अलग हैं। आप जानते हैं कि अर्थ में यह अंतर क्यों है ?

दोनों वाक्यों में हम अलग - अलग जगह रुके हैं, जिससे अर्थ में अंतर आ गया।

ठीक जगह पर रुकना ही वाक्य के सही अर्थ को बताता है। वाक्य में रुकने के इन स्थानों को 'विराम चिह्न' कहते हैं।

विराम चिहन लिखते व बोलते समय लगाए जाते हैं। ये चिह्न हमें वाक्य के सही अर्थ को समझने में सहायता करते हैं।

परिभाषा - अर्थ को स्पष्ट करने के लिए जो चिह्न लगाए जाते हैं, उन्हें विराम चिह्न कहते हैं।

विराम चिह्न कई प्रकार के होते हैं। कुछ मुख्य विराम चिह्नों को समझना हमारे लिए बहुत आवश्यक है-

नाम	चिह्न	उदाहरण
1. पूर्ण विराम (वाक्य समाप्त होने पर लगाया जाता है।)	(।)	मनीष को आज बुखार है।
2. अल्प विराम (कुछ कम समय के लिए रुकने पर लगाते हैं।)	(,)	मेरे घर सक्षम, दीशांत और जय आए हैं।
3. प्रश्न चिह्न (प्रश्न पूछने पर लगाते हैं।)	(?)	तुम कहाँ जा रहे हो ?
4. विस्मयादिबोधक चिह्न (खुशी. आश्चर्य, घृणा, तारीफ़ करने पर लगाते हैं।)	(!)	वाह ! तुम तो प्रथम आ गए।

यह भी जाने - हिंदी भाषा में कुछ अन्य विराम चिन्ह भी प्रयुक्त होते हैं ; जैसे – अर्ध विराम (;) , योजक (-), निर्देशक (:-), उद्धरण चिन्ह (‘ ’) आदि |

हमने सीखा

- वाक्य में रुकने के लिए लगाए गए चिन्हो को विराम चिन्ह कहते हैं |
- विराम चिन्ह के प्रयोग से भाषा में स्पष्टता आती है |
- ये चिन्ह, पढ़ते हुए कुछ समय रुकने का संकेत देते हैं |

अभ्यास कार्य

प्रश्न -1) नीचे लिखे वाक्यों में उचित विराम चिह्नों का प्रयोग कीजिए।

क. वाह कितना सुंदर दृश्य है

ख. तुम कहाँ जा रहे हो

ग. पिताजी काम पर गए हैं

घ. मुझे केला आम और अंगूर बहुत पसंद है

ड़. सुमन श्रीनगर गई है

च. रमा लता और मनु सभी पढ़ रहे हैं

प्रश्न -2) नीचे लिखे वाक्यों में लगाए गए विराम चिहनों के नाम लिखिए-

(क) मैं रोज घूमने जाता हूँ। ....

(ख) क्या तुम छुट्टियों में कहीं जाओगे ? ....

(ग) कितना सुंदर दृश्य है ! ....

(घ) सौरभ, तुम खेलने क्यों नहीं जाते ? ....

प्रश्न -3) उचित विराम चिह्न का मिलान कीजिए।

1) ? - पूर्णविराम

2) । - अल्पविराम

3) , - विस्मयादिबोधक चिह्न

4) ! - प्रश्नवाचक चिह्न

प्रश्न -4) विराम चिह्नों के गलत प्रयोग को पहचानकर उस पर गोला लगाइए और सही विराम चिह्नों का प्रयोग कर वाक्य दोबारा लिखिए।

क. मैं घर जा रहा हूँ ?

ख. वाह ? मजा आ गया ।

ग. अरे ! तुम तो बहादुर निकले ?

घ. अरे ! तुम्हें क्या हुआ,

ड. अनिका ? मीना, और नीतू बातें कर रही हैं।

च. क्यारी में कितने सुंदर फूल खिल आए हैं,

प्रश्न -5) निम्नलिखित विराम चिन्हो का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए-

1) ! - ....

2) ? - ....

3) । - ....

4) , - ....

आओ कुछ करें

प्रश्न -6) नीचे लिखे वाक्यों में इस प्रकार विराम चिह्न लगाएँ कि दो अलग-अलग अर्थ वाले वाक्य बन जाएँ-

(क) रोको मत जाने दो

....

....

(ख) सोओ नहीं जाना है

....

....

पाठ – 16

पत्र लेखन

किसी को कोई भी संदेश पहुँचाने के लिए प्राचीन काल से ही पत्रों का सहारा लिया जा रहा है। पत्र लेखन एक कला है, जिसमें थोड़े शब्दों में अपने मन की बात, हाल-चाल, स्थिति का वर्णन किया जाता है। आजकल मोबाइल और इंटरनेट के कारण पत्रों का प्रचलन भले ही कम हो गया है, परंतु आज भी इनका अपना महत्व है।

- **पत्र लिखते समय ध्यान देने योग्य बातें-**

  1) पत्र की भाषा सरल व स्पष्ट होनी चाहिए।

  2) पत्र पृष्ठ के बाईं ओर से प्रारंभ करना चाहिए।

  3) पत्र बहुत लंबा नहीं होना चाहिए।

- **पत्र के मुख्य रूप से दो प्रकार होते हैं-**

  (1) औपचारिक

  (2) अनौपचारिक

1) औपचारिक पत्र – वे पत्र जो हम सरकारी अफसरों, प्रधानाचार्य, समाचार पत्र के संपादक आदि को भेजते हैं।

2) अनौपचारिक पत्र – वे पत्र जो हम अपने मित्रों, रिश्तेदारों, माता-पिता आदि को लिखते हैं।

औपचारिक पत्र

1) प्रधानाचार्या को पत्र ।

सेवा में,

प्रधानाचार्या,

क. ख. ग विद्यालय (पत्र पाने वाले का पता)

नागपुर

विषय- अवकाश हेतु प्रार्थना पत्र ।

महोदया,

निवेदन यह है कि मेरा नाम ऋचा है। मैं कक्षा 3 की छात्रा हूँ। मैं दादा जी के साथ 'स्वच्छ भारत अभियान' में भाग लेने के लिए गाँव जा रही हूँ अतः दिनांक 17 और 18 जनवरी, 20........ को विद्यालय नहीं आ सकूँगी। कृपया मुझे दो दिन का अवकाश प्रदान करें।

धन्यवाद

आपकी आज्ञाकारी छात्रा

ऋचा

कक्षा 3ए

2) फीस माफ़ करने के लिए प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र।

सेवा में,

प्रधानाचार्य,

सेंट मेरी स्कूल,

अलीगढ़

विषय - फीस माफ हेतु प्रार्थना पत्र ।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं इस विद्यालय की कक्षा तृतीय का छात्र हूँ। मैं बहुत निर्धन छात्र हूँ। मेरे पिता जी एक छोटी सी फैक्टरी में मजदूर हैं। उनकी आय बहुत कम है। घर का खर्च बहुत कठिनाई से चलता है। इसलिए मुझे विद्यालय की फ़ीस भरने में भी बहुत परेशानी होती है। पिछली कक्षा में मुझे 90% अंक प्राप्त हुए थे। खेल-कूद में भी मैं हमेशा आगे रहता हूँ।

अतः आपसे प्रार्थना है कि मेरी फीस माफ़ कर दी जाए। मैं सदा आपका आभारी रहूँगा।

सधन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

रमेश चन्द्र

अनुक्रमांक :.............

दिनांक :...............

अनौपचारिक पत्र

3) मित्र के जन्मदिन पर उसे बधाई देते हुए पत्र ।

परीक्षा भवन

नई दिल्ली

6 अगस्त, 20...

प्रिय राकेश,

नमस्ते,

मैं और मेरे परिवार के सभी लोग यहाँ सकुशल हैं। आशा है, वहाँ तुम सब भी सकुशल होंगे। तुम्हारे जन्मदिन का निमंत्रण पत्र मिला। 8 अगस्त 20….. को तुम्हारा जन्मदिन है। उसके लिए मेरे और मेरे माता-पिता की ओर से तुम्हें बहुत-बहुत शुभकामनाएँ। ईश्वर करे तुम अपने जीवन में हमेशा सफलता प्राप्त कर आगे बढ़ते रहो।

घर में सभी बड़ों को प्रणाम तथा रोहित को प्यार।

तुम्हारा मित्र,

अभिषेक

4) वार्षिक परीक्षा परिणाम की सूचना देते हुए दादा जी को पत्र ।

ए-52

आनंद निकेतन

नई दिल्ली

30 मार्च, 20……

आदरणीय दादा जी,

चरण स्पर्श,

यहाँ हम सब कुशलपूर्वक हैं। आशा है आप भी सकुशल होंगे। मैने वार्षिक परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक पाए हैं और अपनी कक्षा में तृतीय स्थान पर रहा हूँ। अब मैं कक्षा तीन में आ गया हूँ। मैं इस वर्ष भी मेहनत करके अच्छे अंक लाने की कोशिश करूँगा।

आपको और दादी जी को सादर प्रणाम।

आपका पोता,

आयुष

अभ्यास कार्य

- पुस्तकें खरीदने के लिए धन की माँग करते हुए पिताजी को पत्र लिखिए ।
- कक्षा-वर्ग बदलने हेतु प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र लिखिए ।
- बहन की शादी में सम्मिलित होने के लिए मित्र को निमंत्रण पत्र लिखिए ।

पाठ -17

अनुच्छेद लेखन

बच्चो! हमारे वातावरण में कुछ-न-कुछ हर पल घटित होता रहता है। हमारे आस-पास की चीजें, घटनाएँ हमारे मन में विचारों को पैदा करती हैं। हम अगर इन विचारों को सुंदर एवं प्रभावशाली ढंग से लिख लें तो हम अपनी भावनाएँ दूसरों तक आसानी से पहुँचा सकते हैं। जब एक विषय पर छोटे-छोटे आठ दस वाक्यों में हम अपने मन के विचारों को लिखते हैं, उसे अनुच्छेद लेखन कहते हैं।

हमें अनुच्छेद लिखते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

- **आस-पास उस विषय से संबधित जो भी दिखाई दे रहा है, महसूस हो रहा है, उसे सोचें।**
- **सोचने के बाद उन्हें एक क्रम में लिखें।**
- **छोटे-छोटे वाक्य लिखें।**
- **सरल भाषा का प्रयोग करें।**
- **ध्यान रखें कि किसी बात को बार-बार न लिखें। बात को बार-बार दोहराने से उस अनुच्छेद का आनंद खत्म हो जाता है।**

अनुच्छेद -1

होली का त्यौहार

होली' बच्चों का मनपसंद त्योहार है। सरदी के मौसम के बाद जब गरमी आनी शुरू होती है तो होली आ जाती है। यह मार्च के महीने में होती है। बच्चे पिचकारी में रंग भरकर एक दूसरे पर डालते हैं। गुब्बारों में रंग भरकर होली खेलते हैं और सबसे अच्छा तो तब लगता है जब लोगों के चेहरे पर लाल-लाल गुलाल दिखाई देता है। मम्मी इस दिन मीठी-मीठी गुजियाँ बनाती हैं। मुझे होली का त्योहार बहुत अच्छा लगता है।

अनुच्छेद -2

महात्मा गाँधी

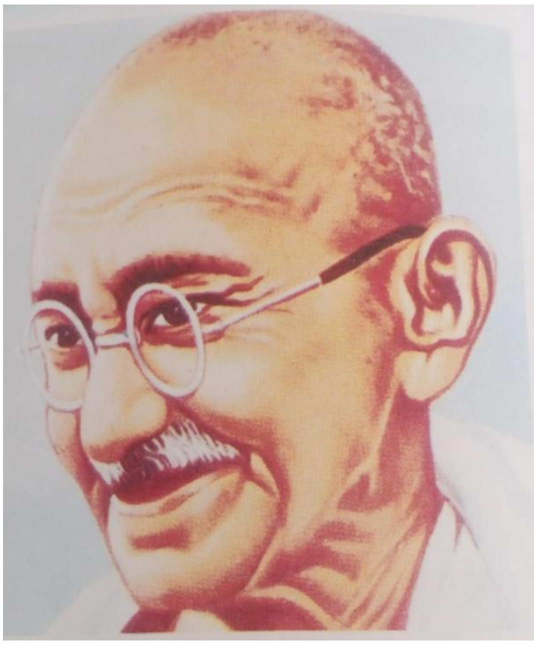

महात्मा गाँधी हमारे राष्ट्रपिता हैं। इनका पूरा नाम मोहनदास करमचंद गाँधी हैं । लोग इन्हें प्यार से बापू कहा करते हैं। इनका जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को गुजरात के पोरबंदर नामक स्थान में हुआ था। इनके पिता का नाम करमचंद गाँधी और माता का नाम पुतलीबाई था। गाँधी जी ने कानून की पढ़ाई इंग्लैंड जाकर पूरी की। इन्होंने हमारे देश को आजाद कराने के लिए लंबी लड़ाई लड़ी। इसके लिए वे कई बार जेल गए। गाँधी जी हमेशा सच बोलते थे। उन्होंने लोगों को प्रेम और भाईचारे से रहने की सीख दी।

अनुच्छेद -3

दीपावली

दीपावली हमारे देश का प्रमुख त्योहार है। इसे रोशनी का त्योहार कहा जाता है। यह त्योहार अक्तूबर-नवंबर में मनाया जाता है। इसकी तैयारी बहुत पहले से शुरू हो जाती है। लोग अपने घर-आँगन की सफ़ाई करते हैं। व्यापारी अपनी दुकानों को सजाते हैं। बाज़ारों में बहुत चमक-दमक होती है। त्योहार के दिन लोग दीपक, बिजली की झालरें और मोमबत्तियाँ जलाते हैं। लोग लक्ष्मी जी और गणेश जी की पूजा करते हैं। बच्चे मिठाइयाँ खाकर और पटाखे-फुलझड़ियाँ छोड़कर बहुत खुश होते है।

अनुच्छेद -4

हमारा देश

हमारे देश का नाम भारत है। यह एक बड़ा देश है। भारत की राजधानी नई दिल्ली है। हमारे देश में अलग-अलग धर्मों के लोग रहते हैं। यहाँ अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है। बाघ हमारा राष्ट्रीय पशु है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा है। मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है। हमारे देश में महावीर, नानक, बुद्ध, गाँधी आदि अनेक महापुरुषों ने जन्म लिया है। भारत के लोग आपस में मिल-जुलकर रहते हैं। हमें अपने देश पर गर्व है।

अनुच्छेद -5

मेरा विद्यालय

मेरे विद्यालय का नाम रामकृष्ण पब्लिक स्कूल है। यह हमारे शहर का प्रसिद्ध विद्यालय है। यहाँ दूर-दूर से बच्चे पढ़ने आते हैं। बाहर के बच्चे विद्यालय के छात्रावास में रहते हैं। हमारे विद्यालय का भवन बहुत बड़ा है। श्री गौरव त्रिपाठी मेरे विद्यालय के प्राचार्य हैं। वे बड़े विद्वान और अच्छे इंसान हैं। हमारे विद्यालय में 30 अध्यापक-अध्यापिकाएँ हैं। वे सभी योग्य एवं अनुशासनप्रिय हैं। हमारे विद्यालय में पढ़ाई-लिखाई, खेल और मनोरंजन की अच्छी व्यवस्था है।

अभ्यास कार्य

नीचे दिए गए विषयों पर अनुच्छेद लिखिए -

1) मेरा प्रिय खेल 2) मेरा घर 3) हमारे राष्ट्रीय त्यौहार
4) मेरी प्रिय मित्र 5) मेरा परिवार

पाठ -18

कहानी लेखन

बच्चों ! आप सबको कहानियाँ सुनना बहुत अच्छा लगता होगा न ! आपने अपने दादा-दादी व अन्य बड़ों से कहानियाँ अवश्य सुनी होंगी। किसी काल्पनिक या सत्य पर आधारित घटना का गद्य-साहित्य में मनोरंजक वर्णन ही कहानी है। कहानी पढ़ना और सुनना बहुत ही मनोरंजक होता है। ये कहानियाँ पशु-पक्षियों की काल्पनिक, ऐतिहासिक, सामाजिक और भावात्मक होती हैं।

कहानी लेखन के समय ध्यान रखने योग्य बातें -

- **कहानी का उद्देश्य स्पष्ट होना चाहिए।**
- **रोचकता होनी चाहिए।**
- **कहानी की भाषा सरल और स्पष्ट होनी चाहिए।**
- **घटनाओं के क्रम का ध्यान अवश्य रखना चाहिए।**
- **अंत में कहानी का संदेश अवश्य लिखना चाहिए।**

नीचे कुछ कहानियाँ दी गई है, उन्हें ध्यान पूर्वक पढ़िए तथा स्वयं कहानी लिखने का अभ्यास कीजिए-

छत्रपति शिवाजी

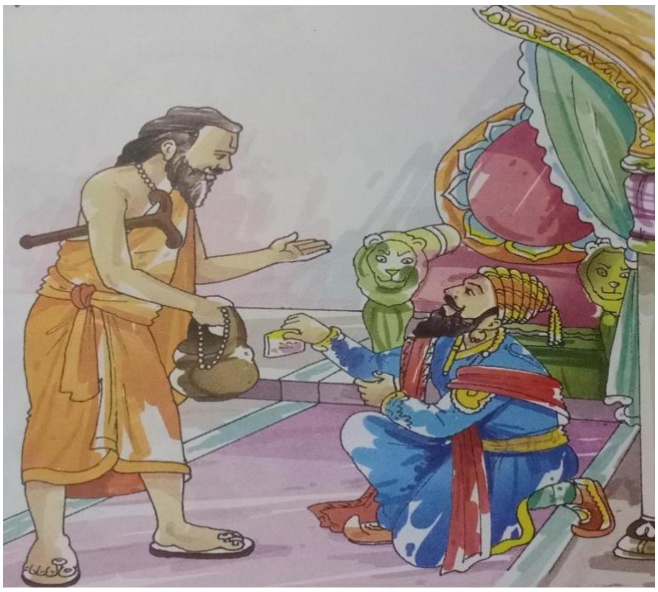

शिवाजी एक वीर, साहसी व देशभक्त मराठा शासक थे। उनके पिता जी का नाम शाहजी भोंसले व माता का नाम जीजाबाई था। शिवाजी का बचपन, अपनी माता जीजाबाई से राम, कृष्ण तथा संतों की कहानियाँ सुनकर बीता। शिवाजी के पिता अप्रतिम शूरवीर थे। शिवाजी महाराज के चरित्र पर माता-पिता का बहुत प्रभाव पड़ा।

शिवाजी को छत्रपति की उपाधि उनकी माता जीजाबाई ने ही दी थी।

एक बार शिवाजी के गुरु समर्थ रामदास घूमते-घूमते शिवाजी के दरबार में आ पहुँचे। शिवाजी ने अपने सिंहासन से उतरकर उनका अभिवादन किया व चरण-स्पर्श करके आने का कारण पूछा।

उत्तर में उनके गुरु स्वामी समर्थ रामदास ने कहा। "मुझे भिक्षा दो," और कमंडल आगे बढ़ा दिया। शिवाजी सकते में आ गए। उन्होंने अपना सारा राज्य एक कागज पर लिखकर कमंडल में डाल दिया। जब गुरु समर्थ रामदास ने उस कागज को पढ़ा तो बोले। "मुझे राज्य नहीं, भोजन व वस्त्र चाहिए। राज्य तो राजाओं को ही शोभा देता है, हम तो संन्यासी हैं।"

शिवाजी ने उत्तर दिया, "महाराज, इस राज्य पर अब मेरा कोई अधिकार नहीं है।"

शिवाजी तभी से अपने गुरु की आज्ञा से ब्राहमणों, गायों और अनाथों की रक्षा करते हुए राज्य चलाने लगे। शिवाजी की गुरुभक्ति, देशप्रेम और पराक्रम अद्वितीय था।

शिक्षा- हमें भी शिवाजी की भाँति वीर, देशभक्त व बड़ों की आज्ञा मानने वाला बनना चाहिए।

....

अभिमानी की हार

एक बार एक खरगोश और एक कछुआ एक ही जंगल में नदी के किनारे रहते थे। कछुआ सरल था। खरगोश अभिमानी था। उसने कछुए से कहा- तुम दौड़कर भी धीरे ही चलते हो। मेरी तरह तेज चलकर दिखाओ। कछुए ने 'हाँ' कर दी। दूर एक बरगद के पेड़ तक पहुँचना निश्चित हुआ। दोनों चल दिए। कछुआ धीरे-धीरे चल रहा था। खरगोश तेज चलते हुए आधे रास्ते तक पहुँच गया। उसने पीछे मुड़कर देखा। कछुआ बहुत दूर था। वह सो गया। कछुआ निरंतर चलता ही रहा। खरगोश की आँख खुली तो उसने देखा कि कछुआ बरगद के पेड़ तक पहुँच चुका था। कछुआ जीत गया। अभिमानी की हार हुई।

शिक्षा- अभिमान नहीं करना चाहिए।

....

<u>अच्छाई का बदला</u>

एक राजा था। उसे प्रकृति सौंदर्य के चित्र बनाने का बहुत शौक था। एक दिन चित्र बनाने के लिए वह पहाड़ की ऊँची चोटी पर गया। वहाँ उसने एक बहुत ही सुंदर चित्र बनाना शुरु किया। चित्र बन जाने पर वह उसके सामने खड़े होकर हर कोण से निहारता और चित्र में जहाँ कहीं कोई कमी मालूम होती, उसे ब्रश से सुधार देता। अंत में चित्र कैसा दिखता है, के लिए वह एक कदम पीछे हटने लगा। पीछे हटते हटते वह यह जानने पहाड़ की कगार तक जा पहुँचा।

पास ही एक लड़का अपनी भेड़ें चरा रहा था। उसने पीछे हटते हुए राजा को देखा। उसने सोचा, यदि अब राजा एक कदम भी पीछे बढ़ेगा, तो गहरी खाई में गिर पड़ेगा और मर जाएगा। यह सोचता हुआ लड़का भागता हुआ आया और अपनी लाठी से राजा का चित्र फाड़ दिया।

राजा आग-बबूला हो उठा, उसने आगे बढ़कर लड़के को दबोच लिया और चीखते हुए बोला, “मूर्ख! तूने यह क्या किया? मैं तुझे जिंदा नहीं छोड़ूँगा ।"

भेड़ चराने वाले लड़के ने हाथ जोड़कर विनम्रतापूर्वक कहा, “महाराज, जरा पीछे मुड़कर तो देखिए। कितनी गहरी खाई है। यदि मैं यह चित्र न फाड़ता तो आप इस घाटी में गिर जाते और आपकी मृत्यु हो जाती।" अवाक् होकर राजा ने पीछे मुड़ कर देखा और जान बचाने के लिए लड़के को धन्यवाद दिया। राजा बोला, "सचमुच, यदि तुमने चतुराई से काम न लिया होता, तो आज मेरे प्राण नहीं बचते।"

फिर राजा लड़के को अपने साथ राजमहल ले गया, लड़के को बहुत सारे पुरस्कार दिए। अपनी देखरेख में उसकी परवरिश की और उसके बड़ा होने पर अपना प्रधानमंत्री बनाया।

शिक्षा : अच्छाई का फल अच्छा होता है।

....

सच्चाज्ञान

एक महात्माजी थे। वे प्रतिदिन अपने आश्रम में बैठकर प्रवचन देते थे। उनका प्रवचन सुनने के लिए लोग दूर-दूर से आते थे। सब ध्यान से प्रवचन सुनते और महात्माजी को बड़ा मान-सम्मान देते।

एक व्यक्ति ऐसा भी था जो प्रतिदिन आकार महात्माजी का अपमान करता और उन्हें गालियाँ देता। महात्मा जी हमेशा शांत मुद्रा में बैठे रहते, कभी उसे कुछ न कहते। जो लोग महात्माजी का सम्मान करते थे, उन्हें उस व्यक्ति द्वारा महात्माजी का अपमान करना बहुत बुरा लगता था। एक दिन उनके भक्तों को बड़ा गुस्सा आया। उन्होंने महात्माजी से पूछ ही लिया, “महात्मन्। आप उस अभद्र व्यक्ति को सबक क्यों नहीं सिखाते?"

यह सुनकर महात्माजी से और फिर भक्तों को समझाते हुए बोले, “मुझे एक बात बताओ की यदि तुम मुझे कोई वस्तु दो और मैं उसे नहीं लूँ तो वह किसके पास रहेगी” “हमारे पास",एक भक्त ने sझट से उत्तर दिया?"

“ठीक उसी प्रकार से वह गालियाँ मुझे देता है लेकिन मैं उनको स्वीकार नहीं करता हूँ । इससे वे गालियाँ उसके पास ही रह जाती हैं। इसमें मेरा अपमान कहाँ हुआ?" महात्माजी इस बात से उनके भक्तों को एक अनमोल और सच्चे ज्ञान की प्राप्ति हुई।

शिक्षा : हमारे अपने कर्म अच्छे होने चाहिए।

हमने सीखा

- **कहानी रोचक और मनोरंजक होनी चाहिए ।**
- **कहानी की भाषा सरल और स्पष्ट होनी चाहिए ।**
- **कहानी में छोटे-छोटे वाक्य लिखने चाहिए ।**
- **कहानी में कोई जीवन उपयोगी संदेश होना चाहिए ।**

अभ्यास कार्य

निम्नलिखित शीर्षक पर कहानी लिखिए तथा कहानी की शिक्षा भी लिखें -

1) चतुर मेंढक **2) एक प्यासा कौआ** **3) चालाक लोमड़ी**

4) बुद्धिमानी का फल **5) छोटा मित्र**

पाठ -19

संवाद लेखन

जब हम एक-दूसरे से बातचीत करते हैं, अपनी बात उनको समझाते हैं और उनकी बात स्वयं समझते हैं, तो बातचीत का माध्यम संवाद ही होता है। संवाद के लिए कम-से-कम दो लोगों का होना आवश्यक होता है।

संवाद लिखते समय ध्यान रखने योग्य बातें -

- **संवाद छोटे और सरल होने चाहिए।**
- **वाक्य एक-दूसरे से जुड़े होने चाहिए।**
- **भाषा का स्तर अच्छा होना चाहिए।**
- **भाषा पात्रों के अनुरूप होनी चाहिए।**

नीचे लिखे संवाद को पढ़िए —

संवाद -1

चूहे और बिल्ली के बीच हो रहे इस वार्तालाप को ध्यान से पढ़िए-

चूहा — बिल्ली मौसी ! मुझे आपसे बहुत डर लगता है।

बिल्ली - क्यों?

चूहा — मौका मिलते ही आप मुझे पकड़कर मार डालती हैं और फिर खा लेती हैं।

बिल्ली -– चूहे राजा ! जब भी मैं तुम्हें देखती हूँ, मेरे मुँह में पानी भर आता है।

चूहा — तुम तो दही, दूध और मक्खन से भी पेट भर सकती हो। फिर मुझे क्यों खाती हो ?

बिल्ली — ईश्वर ने मेरा स्वभाव ही कुछ ऐसा बनाया है कि तुम्हें देखते ही मेरी भूख बढ़ जाती है और मेरे हाथ तुम्हें पकड़ने के लिए आगे बढ़ने लगते हैं।

संवाद -2

देव और अरुण के मध्य हुआ संवादः

देव : अरुण, क्या आज दोपहर में तुम्हारे पास थोड़ा वक्त है ?

अरुण : हाँ, देव बताओ, कुछ काम है?

देव : मुझे अपने विज्ञान के परियोजना कार्य में तुम्हारी मदद चाहिए। क्या तुम मेरी सहायता करोगे?

अरुण : हाँ, हाँ क्यों नहीं। तुम तीन बजे मेरे घर आ जाना। हम दोनों मिलकर परियोजना कार्य पूरा कर लेंगे।

देव : धन्यवाद, अरुण। मैं तीन बजे आ जाऊँगा।

संवाद -3

गरिमा बीमार है। उससे उठा नहीं जा रहा है। उसकी सहेली मीरा उससे मिलने आई है और उसका हाल-चाल पूछती है।

मीरा : अरे गरिमा ! तुम दो दिनों से विद्यालय क्यों नहीं आई ?

गरिमा : ओह मीरा ! क्या बताऊँ ? दो दिनों से मुझे बहुत तेज बुखार हो रहा है । मुझसे चला भी नहीं जा रहा है। इसलिए मैं विद्यालय नहीं आ पाई।

मीरा : कोई बात नहीं! डॉक्टर को दिखाया क्या ?

गरिमा : हाँ! आज सुबह ही माँ मुझे डॉक्टर के पास ले गई थी। डॉक्टर साहब ने तीन दिन की दवाई दी है।

मीरा : अच्छा! दवाई खाते रहना। अपना ध्यान रखना। विद्यालय में जो भी काम होगा मैं तुम्हें बता दूँगी। उसकी चिंता मत करना।

गरिमा : मीरा, बहुत-बहुत धन्यवाद ! तुम कितनी अच्छी हो।

मीरा : गरिमा सच्चा मित्र तो वही होता है जो मुसीबत के समय काम आए।

गरिमा : हाँ गरिमा, तुमने बिलकुल ठीक कहा।

संवाद -4

रेशमा और रागिनी के मध्य हुआ संवादः

रेशमा : रागिनी कैसी हो?

रागिनी : मैं ठीक हूँ, आप कैसी हो?

रेशमा : हम सब भी ठीक हैं।

रागिनी : अगले हफ़्ते से क्रिसमस की छुट्टियाँ होने वाली हैं। मैं इस बार माता-पिता जी के साथ गोवा जा रही हूँ। विशेषतौर पर वहाँ के प्रसिद्ध गिरजाघर देखने।

रेशमा : अरे वाह! ये तो बहुत अच्छी खबर है। मैं इन छुट्टियों में दिल्ली का गुड़ियाघर देखने जाऊँगी। बहुत दिनों से इसे देखने का मेरा मन है।

रागिनी : अच्छा! ये दिल्ली में कहाँ पर है? मैं भी कभी इसे देखने अवश्य जाऊँगी। हाँ एक बात तो बताओ क्या हम वहाँ से गुड़िया खरीद भी सकते हैं?

रेशमा : अरे नहीं! रागिनी, ये तो एक संग्रहालय है। यहाँ देश-विदेश की सुंदर-सुंदर गुड़िया रखी गई हैं और यह गुड़ियाघर दिल्ली में आई.टी.ओ. पर है।

रागिनी : धन्यवाद रेशमा, अगली छुट्टियों में मैं भी अपने भैया-भाभी के साथ इसे देखने जाऊँगी।

अभ्यास कार्य

- माँ और दुकानदार की बीच संवाद ।
- दो सहेलियाँ फोन पर बात करती हुई आने वाले शिक्षक दिवस कार्यक्रम के संदर्भ में।
- आम और केले के बीच हुई बातचीत।
- बेटे और पिताजी के बीच हुई बातचीत ।

पाठ-20

अपठित गद्यांश

गद्य का वह अंश, जो पहले ना पढ़ा गया हो, उसे 'अपठित गद्यांश' कहते हैं ।

- **अपठित** - जो न पढ़ा गया हो ।
- **गद्यांश** - गद्य का अंश ।

अपठित गद्यांश को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दिए जाते हैं । उत्तर देते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए -

- **गद्यांश को ध्यान से पढ़ना और समझना चाहिए ।**
- **गद्यांश पढ़ते समय कठिन शब्दों और मुख्य बिंदुओं को रेखांकित करना चाहिए ।**
- **भाषा सरल और सादी होना चाहिए ।**

आइये कुछ अभ्यास करें -

गद्यांश -1

एक दिन राहुल जैसे ही सोने के लिए बिस्तर पर लेटा तो जल्दी ही उसकी आँख लग गई और वह सपनों की दुनिया में खो गया । सपने में ही वह परियों के देश में घूमने लगा; जहाँ उसने अनेक सुंदर-सुंदर परियाँ देखीं । राहुल परियों के बीच घूमने लगा ।सभी परियों ने रंग- बिरंगे वस्त्र पहन रखे थे और वे पंख लगा कर इधर-उधर उड़ रही थी । राहुल यह सब देखकर खुश हो गया ।

गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1) राहुल किस दुनिया में खो गया ?

(1) खिलौनों की (2) मिठाइयों की (3) सपनों की

2) राहुल किनके देश में पहुँच गया ?

(1)परियों के (2) मित्रो के (3) जानवरों के

3) परियाँ कैसे उड़ती है ?

(1) पहियों से (2) पैरों से (3) पंखों से

4) परियों के वस्त्र कैसे थे ?

(1) लाल (2) पीले (3) रंग- बिरंगे

गद्यांश-2

भारत में हर वर्ष 26 जनवरी की पूर्व संध्या पर बहादुर बच्चों को राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार दिए जाते हैं। भारतीय बाल कल्याण परिषद ने 1957 मे ये पुरस्कार शुरू किए थे। पुरस्कार के रूप में एक पदक, प्रमाण पत्र और नगद राशि दी जाती है। सभी बच्चों को विद्यालय की पढ़ाई पूरी करने तक वित्तीय सहायता भी दी जाती है।| 26 जनवरी के दिन ये बहादुर बच्चे हाथी पर सवारी करते हुए गणतंत्र दिवस परेड में सम्मिलित होते हैं।

गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1) राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार कब दिए जाते हैं?

(1) 26 जनवरी (2) 15 अगस्त (3) 19 जनवरी (4) 16 जनवरी

2) पुरस्कार के रूप में क्या दिया जाता है?

(1)पदक (2) प्रमाण पत्र (3) नकद राशि (4) सभी

3) बहादुर बच्चों की सहायता कैसे की जाती है?

(1) धन से (2) तन से (3) मन से (4) कर्म से

4) गणतंत्र दिवस परेड में बच्चे किस पर बैठते हैं?

(1) हाथी पर (2) ऊँट पर (3) घोड़े पर (4) रथ पर

गद्यांश- 3

कबड्डी भारत का प्राचीन खेल है। इसे खुले एवं समतल स्थान में खेला जाता है। दुनिया भर में क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल, लॉन टेनिस, शतरंज जैसे अनेक लोकप्रिय खेल खेले जाते हैं, फिर भी इनमें कबड्डी का अपना एक अलग स्थान है।गरीब से गरीब आदमी भी कबड्डी के खेल का आनंद उठा सकता है। परंतु कबड्डी खेल से होने वाले लाभ कम नहीं है। इसे खेलने से शरीर की मांसपेशियाँ मजबूत होती है और व्यक्ति स्वस्थ बना रहता है। भारत एवं इसके पड़ोसी देशों में कबड्डी के खेल का महत्व बढ़ रहा है। एशियायी खेलों में कबड्डी का खेल भी शामिल है। भारत इस खेल में अब तक सबसे आगे बना हुआ है। हमारे गाँवो में यह खेल आज भी लोकप्रिय है।

गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न -1) कबड्डी का खेल कैसे स्थान पर खेला जाता है ?

प्रश्न -2) दुनिया भर में कौन-कौन से खेल लोकप्रिय है ?

प्रश्न -3) कबड्डी खेलने से क्या लाभ है ?

प्रश्न -4) कबड्डी के खेल का महत्व किन देशों में बढ़ रहा है ?

प्रश्न-5) कबड्डी के खेल में सबसे आगे कौन है ?

गद्यांश -4

हमारे जीवन में अनुशासन का बहुत महत्व है। अनुशासन का अर्थ है, 'नियम'अर्थात अपने जीवन को सुचारू रूप से चलाने के लिए हम जिन नियमों का पालन करते हैं, वही अनुशासन कहलाता है। घर, विद्यालय, खेल का मैदान, अस्पताल, सिनेमाघर और किसी के घर जाने पर अनुशासन का पालन किया जाता है। इन सभी जगहों के अपने-अपने नियम होते हैं। जो व्यक्ति इनका पालन नहीं करता, वह शिष्ट नहीं कहलाता और समाज में जिसका आचरण शिष्ट नहीं है, उसे आदर की दृष्टि से नहीं देखा जाता।

गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न -1) उपयुक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दें ?

प्रश्न -2) अनुशासन का क्या अर्थ है ?

प्रश्न -3) मुख्य रूप से अनुशासन का पालन हम कहाँ करते हैं ?

प्रश्न-4) शिष्ट कौन कहलाता है ?

गद्यांश -5

धरती के सभी जानवरों में हाथी सबसे अलग प्राणी है। हाथी की पहचान उसकी लंबी सूँड़ और उसके भारी शरीर से होती है । हाथी के कान बहुत लंबे और चौड़े होते हैं ।एक छोटी पूँछ और हाथी के दो बड़े दाँत भी होते हैं। हाथी के दाँत मुँह से बाहर निकले होते हैं। हाथी की सूँड़ की मांसपेशियाँ बहुत मजबूत होती है। इनकी सूँड़ बहुत ही उपयोगी है, जो नहाने और खाना तोड़कर खाने मे काम आती है। इनकी सूँड का वजन 130 किलोग्राम के आसपास होता है। हाथी एक शाकाहारी प्राणी है, जो पेड़ों की छोटी टहनियाँ, पत्तियाँ और फल खाते हैं। पालतू हाथी केले और गन्ने भी खाते हैं । पुराने जमाने में हाथी का उपयोग सेना में किया जाता था। राजा महाराजा अपनी सेना में हाथी भी रखते थे। हाथी की उम्र 100 साल से भी अधिक होती है । हाथी अपने भारी शरीर का वजन पैरों से उठाता है, जो बहुत मजबूत होते हैं। हाथी 8 फीट से अधिक ऊँचा होता है ।

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न -1) हाथी कहाँ रहता है ?

प्रश्न -2) हाथी की सूँड़ कैसी होती है ?

प्रश्न -3) हाथी की सूँड़ किस काम आती है ?

प्रश्न -4) हाथी का शरीर कैसा होता है ?

प्रश्न -5) 'हाथी' का स्त्रीलिंग शब्द क्या होगा ?

पाठ -21

चित्र वर्णन

....

1) चित्र देखिए एवं सही शब्द छाँटकर खाली स्थान में भरिए।

भाई - बहन,	मिठाई,	उपहार,	उम्र,	राखी

क. रक्षा बंधन................................ के स्नेह का पवित्र त्योहार है।

ख. इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर............................ बाँधती है।

ग. बहन अपने भाई को..........................खिलाती है और उसकी लंबी.................. की कामना करती है।

घ. इस दिन भाई अपनी बहन को...............................देता है।

2) दिए गए शब्दों की सहायता से चित्र का वर्णन कीजिए।

मैदान, क्रिकेट, पिकनिक, दौड़, हरियाली, फुटबॉल, भोजन, आनंद

3) चित्र देखिए और इसके बारे में कुछ पंक्तियाँ लिखिए।

4) **चित्र वर्णन कीजिए-**

5) **चित्र वर्णन कीजिए-**